ISSN 2229-547X VIDEHA

'विदेह' १७३ म अंक ०१ मार्च २०१५ (वर्ष ८ मास ८७ अंक १७३)





ऐ अंकमे अछि:-

एकैसम शताब्दीक रचना एवं रचनाकारक अन्यतम अवदान- **उमेश मण्डल**

डॉ० शशिधर कुमर “विदेह”-माघ/ फागुनक पानि/ ओ कहलन्हि

तीन टा कविता -विजयनाथ झा, पटना

लघु कथा- भोला-: **ललन कुमार कामत**

डॉ. उमा शंकर चौधरी -दू आखर

एकैसम शताब्दीक रचना एवं रचनाकारक अन्यतम अवदान

:: उमेश मण्डल

एकैसम शताब्दीमे मैथिली साहित्यक विविध विधाक नव-नव रूप, नव-नव विषय-वस्तु आदिमे जे उभार देखैमे आएल अछि ओ एकटा विशेष रचनाधर्मी आन्दोलनक परिचायक अछि। हमरा बुझने ऐ आन्दोलनक सर्वाधिक श्रेय “विदेह मैथिली साहित्य आन्दोलन” आ “सगर राति दीप जरय”कथा गोष्ठीक सतत क्रियाशीलता अछि। ‘सगर राति दीप जरय’मैथिली साहित्य मध्य एक ओहन मञ्च अछि, जैपर सभ वर्गक साहित्यकारक उठ-बैस होइ छन्हि, जे आन मञ्चक संग एहेन नै अछि। मैथिली साहित्यक संसारमे, मात्र दसक भरिमे, जे विकास जइ दिशा एवं धारामे प्रवाहित भऽ बढ़ि रहल अछि, ओ मिथिलाक विविध पक्षक विकासक बिसवास आरो बढ़ा रहल अछि। जे बढ़ैत-बढ़ैत मैथिली साहित्यक इतिहासक एकविशेष कालखण्डक रूपमे जानल जाएत।

ऐ आलेखमे स्थानाभावक कारण मात्र दस गोट रचनाकारक पोथी तथा पोथीमे संकलित गद्य आ पद्यक शोधपरक विवरण देल जा रहल अछि। जइमे साहित्यकारक सम्पूर्ण सृजित रचनाक, जे पोथी रूपमे प्रकाशित अछि, तेकर गणनात्मक परिचय अर्थात् पोथीक नाओं, विधा, प्रकाशन वर्ष, पोथीमे आएल रचनाक शीर्षक, एक-एक रचनाक शब्द संख्या एवं सम्पूर्ण पोथीक कुल शब्द संख्या अंकित कएल अछि। ओ दसो रचनाकार छथि, श्री जगदीश प्रसाद मण्डल, श्री बेचन ठाकुर, श्री राजदेव मण्डल, श्री नन्द विलास राय, श्री कपिलेश्वर राउत, श्री रामदेव प्रसाद मण्डल ‘झारूदार’, श्री राम विलास साहु, श्रीमती मुन्नी कामत, श्री उमेश पासवान तथा श्री ओम प्रकाश झाजी।

ऐ दसो रचनाकारक क्रम, रचित रचनाक शब्दक बहुलताक हिसावे आलेखमे सजौल अछि। पहिल रचनाकारक माने श्री जगदीश प्रसाद मण्डलक सृजित साहित्यक कुल शब्दक संख्या- ७,९७,१३६. छन्हि। तहिना श्री बेचन ठाकुरक ७५,४५५ छन्हि। श्री राजदेव मण्डलक ‘अम्बरा’ कविता संग्रह छोड़ि- ३८,०३७, श्री नन्द विलास राय- २८,४५९, श्री कपिलेश्वर राउत- १२,८३६, श्री रामदेव प्रसाद मण्डल ‘झारूदार’- ९,८५८, श्री राम विलास साहु- ९,१७३, श्रीमती मुन्नी कामत- ८,२९९, श्री उमेश पासवान- ७,२५५, तथा श्री ओम प्रकाश झा- ६,८७८ छन्हि।

1. श्री जगदीश प्रसाद मण्डलजीक रचना संसार-

(1.) गामक जिनगी- (लघु कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २००९; कुल कथा- २०,एवं शब्द- ५९,५६५=

(१) भैंटक लावा- ३१०५, (२) बिसाँढ़- २४९९, (३) पीरारक फड़- २०२४, (४)अनेरुआ बेटा- ३३३९, (५) दूटा पाइ- ३२७९, (६) बोनिहारिन मरनी- ३३९६, (७) हारि-जीत- २३४३, (८) ठेलाबला- २५६२, (९) जीविका- ३६४२, (१०) रिक्साबला- ३९४५, (११) चुनवाली- २४४५, (१२) डीहक बटबारा- (१३) ४७२४, (१४) भैयारी- ४०४१, (१५) बहिन- २६९२, (१६) घरदेखिया- ४०१८, (१७) पछताबा- २६६५, (१८)डाक्टर हेमन्त- ४३९८, (१९) बाबी- २१६३, (२०)कामिनी- २२८५.

(2.) अर्द्धांगिनी- (लघु कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१३; कुल कथा- २०,एवं शब्द- ३८,७६०=

(१) दोहरी मारि- १३५७, (२) केना जीब?- १०३१, (३) नवान- २२८२, (४)तिलासंक्रान्तिक लाइ- २०३४, (५) भाइक िसनेह- ११६६, (६) प्रेमी- २५२०, (७) बपौती सम्पति- २३५२, (८) डंका- २४२२, (९) संगी- १८५८, (१०) ठकहरबा- २३५१, (११) अतहतह- २४७७, (१२)अर्द्धांगिनी- ३०४५, (१३) ऑपरेशन- १६०५, (१४) धर्मनाथ- १९८३, (१५) सरोजनी- १८१६, (१६)सुभद्रा- १९१०, (१७) सोनमाकाका- १५३७, (१८) दोती बिआह- १८१६, (१९) पड़ाइन- १९८८, (२०) केतौ नै १२११.

(3.) सतभैंया पोखरि- (लघु कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१३; कुल कथा- १९,एवं शब्द- ३३,४५२=

(१) बिहरन- ३१७४, (२) मायराम- २०३७, (३) गोबि शिकार- २११३, (४) मातृभूमि- १०३६, (५) भबडाह- २०५३, (६) परिवारक प्रतिष्ठा- १८८८, (७) फागु- २०९६, (८) लफक साग- ११९२, (९) तिकोरक तरुआ- १८२६, (१०) एकोटा नै १०७१, (११) धोतीक मान- ४७२, (१२) साझी- ९८९, (१३)सतभैंया पोखरि- २९९०, (१४) न्याय चाही- १३०८, (१५) पनिपाहा दूध- २११४, (१६) कर्ज- २८६०, (१७) परदेशी बेटी- २४५१, (१८) मान- ६३१, (१९) मनोरथ- ११५१.

(4.) भकमोड़- (लघु कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१३; कुल कथा- ९,एवं शब्द- २१,३१५=

(१) एक धाप जमीन- २५२२, (२) ओझरी- १९६३, (३) मुसहनि- २२७७, (४) केलवाड़ी- २६२८, (५) स्वरोजगार- २३३८, (६) घूर- २७४९, (७) कनियाँ पुतरा- २३४०, (८) वारंट- १६०१, (९) गामक मुँह फेर देखब- २८९७.

(5.) उलबा चाउर- (लघु कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१३; कुल कथा- १३,एवं शब्द- ३१,९६५=

(१) कियो ने- ३६९९, (२) सूदि भरना- ९०४, (३)जन्मतिथि- २३५६, (४) इमानदार घूसखोर- २२०४, (५) पटियाबला- २३५६, (६) सनेस- १२४८, (७) उलबा चाउर- २५८८, (८) बलजोर- २३२०, (९) बेटी, हम अपराधी छी- ३२४०, (१०) बगबारि- १८४७, (११) मुइलो बिसेबनि- ४२४४, (१२) सड़ल दारीम- २४४२, (१३)घुप्पा पाल- २५१७.

(6.) बाल गोपाल- (लघु कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१४; कुल कथा- १४,एवं शब्द- २०,९२४=

(१) रिजल्ट- २,३४३, (२) सुमति- ३,०५२, (३) फेर पुछबनि- ३४६, (४) भोंटक गहमी- ५०८, (५)सिरमा- ७६०, (६) झकास- १५८९, (७) सजमनियाँ आम- ६११, (८) गरदनि कट्टा बेटा- ५७५, (९) पल भरि- १११६, (१०) चोरक चोरबती- ८८४, (११) सनेस- २६५४, (१२)पुरस्कार- २४१४, (१३) गावीस मोइस ६८७, (१४) गलती अपने भेल- ३३८६.

(7.) पतझाड़- (लघु कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१४; कुल कथा- १६,एवं शब्द- २०,५०३=

(१) पाइक मोल- २४१२, (२) चोरूक्का झगड़ा- ५३८, (३) अपसोच- ५४८, (४) पतझाड़- २५८७, (५) झीसीक मजा- ४५३, (६) मति-गति- १८०७, (७) अपन सन मुँह- ५६९६, (८) माघक घूर- १६८३, (९)खर्च- ३३०, (१०) अखरा-दोखरा- ३४२, (११) पेटगनाह- ५९३, (१२)भ्रड़की माता- १२२४, (१३) धरती-अकास- १८४, (१४) बकठाँइ- ८८३, (१५) चैन-बेचैन- ९३६, (१६)अलपुरिया बरी- २८७.

(8.) अप्पन-बीरान- (लघु कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१४; कुल कथा- १९,एवं शब्द- १८,५१३=

(१) हथियाएल खुरपी- ६५०, (२) नीक बोल- ५७०, (३) सुआद- ६२४, (४)गंगा नहेलौं- ६८६, (५) भँसैत नाह- ५९२, (६) पान पराग- १,७०४, (७) नौमीक, हकार- १,११६, (८)फोंक मकड़- १,७५५, (९) केते लग केते दूर- १,२५५, (१०) अभिनव अनुभव- ३२६, (११)खोंटकर्मा- १,१८४, (१२) किछु ने- ५०१, (१३) अप्पन-बीरान- २,८९४, (१४) अर्जुन रोग- १,००३, (१५) नैहराक धाड़- ८८१, (१६) अवाक- १,०४१, (१७)पोखरिक सैरात- ९२३, (१८) दन्याँ डाबा- ४०९, (१९) धरम काँट- ३९९.

(9.) लजबिजी- (लघु कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१४; कुल कथा- १९,एवं शब्द- २२,४४७=

(१) अकाल- १,२३८, (२) उझट बात- १,१५२, (३)कर्जखौक- १,१७५, (४) उनटन- १,१८७, (५) रेहना चाची- १,३०७, (६) बुधनी दादी- १,२५६, (७)अउतरित प्रश्न- १,२२९, (८) हारि- १,२४०, (९) सोनाक सुइत- १,१३५, (१०) मरूभूमि- १,२१४, (११) असगरे- १,५५७, (१२) पुरनी नानी- १,३०४, (१३) कटा-कटी- १,१४०, (१४) केते लग केते दूर- १,२०६, (१५) घर तोड़िदेलिऐ- १,५२७, (१६) सजल स्मृति- २,३६३, (१७) सए कछे- ४८८, (१८) एक मुठी, घास- ४११, (१९) करिछौंह मुँह- ३१८.

(10.) रटनी खढ़- (दीर्घ कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१४; कुल कथा- ०५,एवं शब्द- २५,२६१=

(१) किरदानी- ५२९६, (२) सगहा- २८६७, (३) मनकमना- ६११८, (४) घरवास- ४,८८४. (५) समधीन- ६,०९६.

(11.) गामक शकल-सूरत- (लघु कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१४; कुल कथा- ०५, एवं शब्द- २१,५०५=

(१) ठकुआएल भुसवा- ३३५६, (२) चापाकलक पाइप- १६१६, (३) कलम हानि कऽ– २२२६, (४) लतियाएल जिनगी- ११८४, (५) गामक शकल-सूरत- २५९६, (६)जितिया पावनि- ३७०६, (७) सुखाएल सूरत- ३६९०, (८) भैयारी हक- ३१३१.

(12.) समरथाइक भूत- (लघु कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१४; कुल कथा- ०८, एवं शब्द- २३,७१४=

(१) खुदियाएल- २८९४, (२) खटहा आम- ३५२८, (३) ढकरपेँच- ३७४०, (४) असहाज- २८५३, (५) समरथाइक भूत- ३८३२, (६) विदाइ- ५१०३, (७) खलओदार- ७३१, (८) मनुखदेवा- १०१६.

(13.) शम्भुदास- (दीर्घ कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१३; कुल कथा- ०३,एवं शब्द- २९,९४२=

(१) मइटुगगर- ९,६८४, (२) शम्भुदास- ९,८३७, (३) फाँसी- १०,४२१.

(14.) बजन्ता-बुझन्ता- (विहनि कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१३; कुल कथा- ६८, एवं शब्द- १८,५४७=

(१) कचोट- ३१३, (२) काँच सूत- ३९०, (३) बुधनी दादी- २६७, (४)खिलतोड़- ३९६, (५) मुँह-कान- २३४, (६) अनदिना- ३१२, (७) अपन काज- ३६६, (८)दूरी- २६४, (९) पुरनी भौजी- ११६, (१०) छूटिगेल- १११, (११) काल्हि दिन- १५१, (१२) अप्पन हारि- २८३, (१३) कनफुसकी- १३७, (१४) मुँहक बात मुहेँमे १३५, (१५) कनीटा बात- ०९८, (१६) गतिगुद्दा- २५०, (१७) बिसवास- ३१६, (१८) कचहरिया-भाय- २७०, (१९) गुहारि- ४३२, (२०) शिवजीक डाक-बाक्- ०८९, (२१) सोग- ३४१, (२२) पनचैती- १९७, (२३) कनमन- ३१३, (२४) अजाति- ०८५, (२५) पटोर- ४१२, (२६)फुसियाह- ३०८, (२७) गति-मुक्ति- २४१, (२८) चौकीदारी- ४३७, (२९) झगड़ाउ-झोटैला- २५६, (३०)घबाह ट्यूशन- २४६, (३१) दादी-माँ ४०८, (३२) पटोटन- ३४९, (३३) मुसाइ पंडित- ५६७, (३४) भरमे-सरम- २३१, (३५) देखल दिन- ४३४, (३६) फज्झति- ४०३, (३७) अकास दीप- २३३, (३८) बुधि-बधिया- २६८, (३९) पहाड़क बेथा- २१६, (४०)उमकी- ३२४, (४१) बजन्ता-बुझन्ता- १४७, (४२) चर्मरोग- ५७८, (४३) शंका- ३२५, (४४) ओसार- २१३, (४५) छोटका काका- ३९४, (४६) सीमा-सड़हद- १९५, (४७) रमैत जोगी बोहैत पानि- २५३, (४८) गंजन- १७२, (४९) सजए- ०८९, (५०) घटक बाबा- ३३५, (५१) आने जकाँ ०४८, (५२) दान-दछिना- १५०, (५३) उड़हड़ि- ५०३, (५४)मत्हानि- २६०, (५५) मेकचो- २२१, (५६) झूटका विदाइ- ३५०, (५७) मुँहक खतियान- २७८, (५८) कोसलिया- २३४, (५९)हूसि गेल-

२०४, (६०) पोखला कटहर- १५३, (६१) सरही सौबजा- २६७, (६२) तेरहो करम- ३२२, (६३) डुमैत झिनगी- २९५, (६४) चोर-सिपाही- १९७, (६५) दूधबला- २७१, (६६) टाइपिस्ट- २६३, (६७) समदाही- ३००, (६८) बुढ़िया दादी- ३३१.

(15.) तरेगन- (विहनि कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१०; कुल कथा- १११,एवं शब्द- १८,८६७

(१) स्रष्टाक समग्र रचना- १३७, (२) प्रतिभा- १५४, (३) मर्म- १४२, (४) अधखरूआ- २५५, (५) समैक बेरबादी- २१३, (६) पहिने तप तखनि ढलिहैं- ०८४, (७) खलीफा उमरक सिनेह- १६५, (८) जखने जागी तखने परात- १०३, (९) अस्तित्वक समाप्ति- २१८, (१०) खजाना- ३८८, (११)उग्रघारा- ३२८, (१२) बेवहारिक- २१८, (१३) समर्पण- १४९, (१४) उत्थान-पतन- १३८, (१५) देवता- २३२, (१६)पाप आ पुण्य- २१८, (१७) परख- १२९, (१८) आलसी- १३६, (१९)प्रेम- २९३, (२०) हैरियट स्टो- १३७, (२१) बुझैक ढंग- १४२, (२२)श्रमिकक इज्जत- ०९३, (२३) वंश- ०७४, (२४) तियाग- १४५, (२५) सद्विचार- १८४, (२६) साहस- १०३, (२७) बरदास- १३३, (२८) भूल- १३९, (२९) धैर्य- ०९९, (३०) मनुखक मूल्य- ०९९, (३१) मदति नै चाही- २०९, (३२) मेहनतिक दरद- २८१, (३३) मैक्सिम गोर्की- १४६, (३४) मूलधन- १७४, (३५)कपटी मित- २८१, (३६) भीख- ११८, (३७) भगवान- ०९८, (३८) एकाग्रचित- २६१, (३९) सीखैक जिज्ञासा- १०१, (४०) अनुभव- ०९२, (४१) अासिरवादक विरोध- ०८८, (४२) धर्मक असल रूप- १९७, (४३) सौन्दर्य- १३८, (४४) स्तब्ध- २५७, (४५) एकता- २३६, (४६) विधवा बिआह- १७६, (४७) देश सेवाक व्रत- १३४, (४८) आत्मबल- १- ११०, (४९) स्वाभिमान- १२१, (५०) कलंक- ४२९, (५१) बुलकी- २११, (५२) भद्रपुरुष- १७३, (५३) झूठ नै बाजब- १०३, (५४) आर्दश माए- ०९७, (५५) नारी सम्मान- १००, (५६) अनुशासन- १९०, (५७)सादा जिनगी- १२७, (५८) विचारक उदय- ०७२, (५९)पुष्ट इकाइसँ समर्थराष्ट बनैत- १०२, (६०) डर नै करी- ११९, (६१) अासिरवाद उलटि गेल- २२३, (६२)रत्न गमेवाक दुख- २२६, (६३) निसाँ- १९४, (६४) सामना- १२४, (६५)शिष्टाचार- १७१, (६६) ठक- ११५, (६७)पत्नीक अधिकार- १२८, (६८) शिनीची सिनेह- २११, (६९) सिखबैक उपए- १७१, (७०) कर्तव्यपरायन सुगा- १७१, (७१) तस्वीर- १३४, (७२) मितक प्रयोजन- ३५९, (७३) स्वार्थपूर्ण विचार- १२१, (७४) संगीक महत- १३०, (७५) उपहास- १९६, (७६) महादान- १७६, (७७)भाग्यवाद- १७१, ७८) सद्वृति- १५०, (७९) आश्रम नै सोबहाव बदली- २८१, (८०) पुरुषार्थ- २५५, (८१) नैष्ठिक सुधन्वा- २७४, (८२) सद्गृहस्त- १९५, (८३) सद्भाव- १३४, (८४) आलस्य वनाम पिशाच- ३०२, (८५)स्वर्ग आ नर्क- २६५, (८६) यथार्थक बोध- ११५, (८७) विद्वताक मद- १६५, (८८) अनंत- १२८, (८९) हँसैत लहास- १८४, (९०) अनगढ़ चेतना- १६२, (९१) सत्य विद्या- १०८, (९२) समता- १६५, (९३)जेते चोट तेते सक्कत- ११६, (९४) परिष्कार- १९८, (९५) कथनी नै करनी- १७६, (९६) शालीनता- १५७, (९७) मजूरी- १४०, (९८)जीवन यात्रा- १४५, (९९) ज्योति- ०८१, (१००) पवनक विवेक- १८०, (१०१)आत्मबल-२- १०५, (१०२) खुदीराम बोस- १७२, (१०३)शिष्यकैं शिक्षेटा नै परीक्षो- १८७, (१०४) लौह पुरुष- १२४, (१०५) जंग लगल- १५०, (१०६) जीवकक परीछा- ११७, (१०७) तप- १६२, (१०८) उल्टा अर्थ- २०३, (१०९) जाति नै पानि- १४२, (११०) ऊँच-नीच- २०६, (१११) पागलखाना- २२३.

(16.) इंद्रधनुषी अकास- (काव्य संग्रह) पहिल संस्करण- २०१३; कुल काव्य संख्या- ९५ एवं शब्द- ९,४०९=

(१) मन-मणि- ०७१, (२) चल रे जीवन- २४६, (३) धोब घाट- २०८, (४) सासुपुतोहु वार्ता- १८६, (५) बौड़ाएल बटोही- १९८, (६)अपनेपर हँसै छी- १९०, (७) धोबिघाट- १६७, (८) साँझ- १२३, (९)सात्विक भाव- १०४, (१०) दिव्य शक्ति- ०७०, (११) उड़ियाएल चिड़ै- १००, (१२) रणभूमि- १८१, (१३) सान-धार-धारा- ०७३, (१४) पपीहाक गीत- ०७८, (१५) बिाधरक बीख- ०६२, (१६) मिथिला केहेन- ०५८, (१७) मौसमक मुस्की- ०८४, (१८) आशा- ०७४, (१९) आँखि- ०६४, (२०) मधुरस- ११७, (२१) बीआ- १३८, (२२) महजाल- ०८०, (२३) बाट- १२९, (२४) डभियाएल डगर- १००, (२५) लज्जति- ०७३, (२६) गीत-१- ०४०, (२७)गंग स्नान- ०५३, (२८) फनकी- ०४३, (२९) सभ किछु छै जालेमे- ०९४, (३०) गंगा नहाए- १२३, (३१) गोधन पूजा- ०९०, (३२) माटिक फूल- ११५, (३३) झगड़ा- ०७८, (३४)नजरि- ०३२, (३५) कमलाधार- ०२८, (३६) बाल कविता-

०६५, (३७) भभूत- ०९२, (३८) झूठ-साँच- १०१, (३९)नव दुनियाँ- ०८७, (४०) पुरुषार्थ- ११६, (४१) सरस्वती वंदना- ०७०, (४२) भीड़-भार- १०१, (४३)सरस्वती हमर- ०८१, (४४) अगहन- १०१, (४५) केना मेटत गरीबी- १७४, (४६) बाढ़िक सनेस- ०६९, (४७) अगो-लोढ़ा- १३८, (४८)हथियाक झटकी- ०९७, (४९) रहसा चौर- ०९२, (५०) बेरोजगारी- ०९६, (५१)लीढ़ी पोखरि- १०३, (५२) बकरी भेराड़ी- ०९१, (५३) महगी- १०३, (५४) जरनबिछनी- ०९२, (५५) नव-फल- १२९, (५६) पूभर- ०८८, (५७) चौरीक धनकटनी- १४६, (५८) किसान- १०३, (५९) टुटैत जिनगी- ०७९, (६०) कविता- ०७८, (६१) बुझिबकी- १००, (६२) भुताहि गाछी- २२६, (६३) वोनक आगि- ०४९, (६४) बिसल बरखक विदाइ- ०४५, (६५) संगी- ०९३, (६६) बेथा- ०९२, (६७)धब्बा- ०८५, (६८) पितृपक्षक भोज- ०९०, (६९) ठनका- १२४ , (७०) झपासा- ०९५, (७१)शिवचरन- १४०, (७२) चौठचन्द्रक छाँछी- ०८०, (७३) भरदुतिया- ०९२, (७४) फूसि- ०४५, (७५) चिक्कनि माटि- ०८२, (७६) झारू-बाढ़नि- १२०, (७७) डगरीक डगर- ०८०, (७८) चपरासी भाय- ०९०, (७९) नोत- १२८, (८०) लटुआ- १०३, (८१) एकैसम सदीक देश- १७८, (८२)मधुमाछी- २१५, (८३) जुआनी- ०८०, (८४) तरंग- १०७, (८५) ऐ पढ़बसँ मुरखे रहितौं- ११४, (८६) नंगरकट घोड़ा- १११, (८७) गीत-२- ०५५, (८८) फुलबसिा- ०७०, (८९) करैलाक फूल- ०८०, (९०) गिरहकट- ०७२, (९१) मोबाइल फोन- ०४२, (९२)पछिला गणित- ०८३, (९३) कौमन सेन्स- ०८१.

(17.) राति-दिन- (काव्य संग्रह) पहिल संस्करण- २०१३; कुल काव्य संख्या- ५५ एवं शब्द- ९,७७८=

(१) सघर्ष- २८८, (२) साँझ-भोर- १३९, (३) समए- १५०, (४)जिनगीक मोड़- १६४, (५) अकलबेड़ा- ३६६, (६) धूप-छाँह- ०९२, (७) माए- १०७, (८) साथी- ०९९, (९) घरक लोथि बुड़ले अछि- ०९५, (१०) जुग बदलल जमाना बदलल- ११४, (११) फँसरी- १- ०८८, (१२) गरीबी- १६४, (१३) दबाइए राेग- १६३, (१४) मुँहक झालि- १३४, (१५) किछु सीखू किछु करू- १०७, (१६) पत्नी- १७२, (१७) चेतन चाचा- ३९६, (१८)पौरुष- २६५, (१९) घोड़ मन (भाग-१)- ०९१, (२०) घोड़ मन (भाग-२)- ०८२, (२१) घोड़ मन (भाग-३)- ०६७, (२२) घोड़ मन (भाग-४)- ०६९, (२३) अलकक चान- २२०, (२४)शिशवोनी- ४७२, (२५) फगुआ- १४५, (२६) शील- ४०३, (२७) प्रिय- ३५४, (२८) अपनेपर- २४९, (२९) डायरी- १०४, (३०) मानव गुण- २५०, (३१) छूबिोल- ११७, (३२) मरल घाट- ६०३, (३३)हल्लुक काज- ३३४, (३४) बीघा भरि चास-बास- २२२, (३५) पट्टा छीमी- १८७, (३६) बदरीहन- १८७, (३७)बालि वध- ११०, (३८) अनेरुआ वन- ०७९, (३९) फँसरी- २- १००, (४०) विचलित मन- १३८, (४१) गुड़ घाव- ११४, (४२) एकटा बताह- ११४, (४३)हूसि गेल- १००, (४४) अखड़ा जिनगी- १११, (४५) बिटगरहा- २१७, (४६) बाल गीत- ०८२, (४७)गाछी भुताइ- ११९, (४८) अंडीक छाहरि- ०९०, (४९) परदेशी- ११८, (५०)अन्हराएल छी- ०७३, (५१) ओ दिन- १९५, (५२) सती-वेश्या- ४१६, (५३) दूजा भाव- ०८८, (५४) जीबैले लड़ए पड़त- ०९१, (५५) पगलखना- १६५.

(18.) सरिता- (गीत संग्रह) पहिल संस्करण- २०१३; कुल गीत- ५४,एवं शब्द- ४,९२२

(१) परदेश जेतै- १९७, (२) ओज ओझरी- ८६, (३) पानि बीच- १९१, (४) बंसी धार- ७९, (५) जीबठ बान्हि- १४४, (६) राति-दिन- ९४, (७) तेहरौनी- ९३, (८)गेल उमरिया- ८४, (९) कर-करनाम- ८२, (१०) मनुख कहाँ- १५३, (११) चान कौसिकीय- ९३, (१२) घट-घट- ८१, (१३) ओल ओड़ि ८७, (१४) निरजन वन- ६७, (१५) हरबाह- ७९, (१६) हर हलक- ६२, (१७) सालक विाइ- ५२, (१८) मोनिमन- ६१, (१९) सेड़ाइते ७७, (२०) दिन-रातिक- ६८, (२१) अबिते आँगन- ७०, (२२) समाज सजल- ६७, (२३)सभ मिलि- ८३, (२४) सोच सकार- ५७, (२५) अबिते अगहन- ७२, (२६) उपजल खेत- ७९, (२७) धूल चरण- ८७, (२८) उनटन- ६१, (२९) जान विचार- ६५, (३०) चालनि-सूप- ८८, (३१) मरम देखि- ९८, (३२) वेद-भेद- ८१, (३३) भक-इजोतमे ८८, (३४) जेठुआ गरे- १०९, (३५) िनर्जन वन- ७६, (३६) छगुन्तामे पड़ल छी- १००, (३७) सुआगत की लए- ९३, (३८) सुआगत अपनेक- ६३, (३९) वृद्ध केना- १०१, (४०) समए केर- ६०, (४१) भगवती गीत- ७०, (४२) आनक बोझ- ८५, (४३) अड़कन-मरकन- ६७, (४४) हाल-बेहाल- ७८, (४५) अाजादीक उमंग- १०४, (४६) बुधिए भोतिया- १२९, (४७) घर-घरा- १२७, (४८) जा बौआ- १०६, (४९) लतलत लत्ती- ७३, (५०) पीढ़ि

रीति- १०६, (५१) अकार-सकार- ११७, (५२) मंगनी-चंगनी- १०५, (५३)आन्ही-अन्हर- ९९, (५४) सुफल काज- ११८.

(19.) तीन जेठ एगारहम माघ- (गीत संग्रह) पहिल संस्करण- २०१३; कुल गीत- ५४ एवंशब्द- ४,०९३=

(१) गाछक रंग बदलि- ७९, (२) मुँहक हँसी केहेन- ९०, (३)झोंक जुआनी झोंकए- ६२, (४) बैसले-बैसल नाचि- १०१, (५) गुमकीमे बौआए- ६९, (६) भूत बनि भुतियाएल- ७०, (७) सुखले मे सभ- ७५, (८) दीनक बि केना- ८१, (९) कोढ़ पकड़ि- ८५, (१०) जाल समाज- ८३, (११) मीत यौ, देहक पानि १००, (१२) आश प्रेम संग- ९१, (१३) विषय दस- ९३, (१४) धर्मक फूल- ८९, (१५) किछु ने करै छी- ९३, (१६) अपने पाछू- ९८, (१७) उठी-बैसी- ७१, (१८) गर-मुड़- ६९, (१९) मनक बेथा- ७४, (२०) रहल नै- ८२, (२१) पकड़िमए- ७१, (२२) सतरंग ऐ- ८६, (२३) दुनियाँक जेहने- ७१, (२४) चढ़ि अन्हार- ६९, (२५) एक िवष- ७३, (२६) पेटक ताप- ८९, (२७) जेहेन मुँह- ७७, (२८) धार संग नाह- १०८, (२९) मन मशीन- ८३, (३०) खट-मीठ- ५९, (३१)झोंकमे- ६३, (३२) पबिते पैग- ५८, (३३) हेलमेल जाधरि- ७७, (३४) कौशल जखनि- ७९, (३५)उमकीमे उमकि- ६७, (३६) जिनगीक कुन्ज- ८८, (३७) सत-चित- ५४, (३८) पड़िते पएर- ७१, (३९) अहाँ किए- ८२, (४०) घटघट घोंट- ७६, (४१) जह्निा बारह- ६२, (४२)दुनियाँ घोड़ाएल- ६१, (४३)बहलि बहील- ७०, (४४) हलचल जिनगी- ६४, (४५) टकटक ताक- ६८, (४६) भीख मांगि- ६६, (४७)बकरी खुट्टी- ७४, (४८) अमरा अँचार- ७६, (४९) घरे-घरे- ६३, (५०) बेटी किए- ६४, (५१) मनक भाव- ६८, (५२) िनरजन सिर- ६८, (५३) दूधक भूखल- ६९, (५४) मारी-बेमारी- ६४.

(20.) सुखाएल पोखरिक जाइठ- (गीत संग्रह) पहिल संस्करण- २०१३; कुल गीत- ४९ एवं शब्द- ४,०८८=

(१) केकरो फूल- ९७, (२)काज पसरि- १०१, (३) धार बीच- ८४, (४) फेरो हम- ८२, (५) रंगिते काजक- ८१, (६) चोरकट चालि- ९०, (७) डूमा-डुमी- ६९, (८) छाती चढ़ि- ८२, (९) ससुरामे८२, (१०) जिनगीक ताक- ७४, (११) गोर मुँह- ८५, (१२) कतरा आम- ८८, (१३)सूखल पोखरिक- ७८, (१४) श्रोता कहि- ८२, (१५) जड़ि जंजालक- ७८, (१६) उगिते लाज- ९३, (१७) ओन्हा चालि- ६७, (१८) गिरैत घर- ९७, (१९) अना गाहिंस- ९६, (२०) सूखल पोखरिक- ९०, (२१) लत्ती जेना- ८८, (२२) पाटि- ९५, (२३) गोहि बनि- ९१, (२४) जेहन जे ९३, (२५) चेत चेता- ९२, (२६)अन्हर जाल- ९९, (२७) डायरीक- ७२, (२८) बरहबटू- ८८, (२९) चोटी छुबए- ९३, (३०) खेल-खेलाड़ी- ७९, (३१) ककोड़बा- ८०, (३२) सोर बनि ९४, (३३) सेज-सिंगार- ९८, (३४) जएह लूरि- ७०, (३५) जोति हर- ९५, (३६) हर हलक- ६२, (३७) हिम-गिरि- ६४, (३८) भुवन भूचलि- ६९, (३९) खुजिते आँखि- १०१, (४०) मुड़जन मनुहर- ६४, (४१)गोधूलि-बेल- ७२, (४२) दौड़ि-दौड़- ६८, (४३) चोट-चाट- ७०, (४४) चाइन चेन- ७५, (४५) दीनक दोख- ८३, (४६) सगर समनदर- ७६, (४७) चप-चप- ६९, (४८) संमेंग- १०३, (४९) जिनगीक भव- ८९.

(21.) गीतांजलि- (गीत संग्रह) पहिल संस्करण- २०१३; कुल गीत- ५१ एवंशब्द- ३,७७७=

(१) हाल-बेहाल- ९५, (२) शीला शील- ५८, (३)रंग सियाही- ५८, (४) दिन घटतै- ७०, (५) उठिते आगि- ७०, (६) छप्पर किए- ५३, (७) गामसँ किए- ९६, (८)बेढब रूप- १०३, (९) संग जिनगी- ९८, (१०) सबहक जिनगी- ५९, (११) सुन मैया गे ७४, (१२) पकड़ि तान- ८३, (१३) भाेरे कनी- ७२, (१४) पकड़िपग- ५९, (१५) संच-मंच रहए- ६२, (१६) ओस बनि- ६४, (१७) बाढ़ि सभ- ८४, (१८) हरा-ढरा- ६६, (१९) मीत यौ- ७६, (२०) अजीब-अजीब- ६१, (२१) अपने ताले ७३, (२२) पग-पग- ७३, (२३) यार यौ- ८५, (२४) िनरमोही बौआ- ६१, (२५) अपना गतिए- ९८, (२६) मीत यौ - ९४, (२७) हे बह्निा - ९४, (२८) हे बह्निा- ६९, (२९) सुक्खक अतृप्त- ५०, (३०) नढ़ड़ा हेल- १०५, (३१) अहीं कहू- ८५, (३२) चलू उचितपुर- ९८, (३३) कानि कलपि- ५७, (३४) बुधिये बाट- ५८, (३५) जुग-जुग- ७०, (३६) घात लगौने ७१, (३७) देहमे नमहर- ९२, (३८) जिनगीमे जे- ७६, (३९) हे बह्निा केना- ९२, (४०) हे आशुतोष- ८३, (४१) मनक फूल- ७७, (४२) फूल मनक-

५१, (४३) बेकाल-काल- ७१, (४४) जेहन जेकर- ८१, (४५) समए-साल- ५३, (४६) संग मान-समान- ७८, (४७) जेहने शक्तिक- ५८, (४८) खेल खेलौ- ५१, (४९)प्रेमी पिया- ७९, (५०) बिसरि गेल- ८०, (५१) आबो कनी- ६३.

(22.) मौलाइल गाछक फूल- (उपन्यास) पहिल संस्करण- २००९; कुल शब्द- ४५,६८२.

(23.) जिनगीक जीत- (उपन्यास) पहिल संस्करण- २००९; कुल शब्द- ४६,५९०.

(24.) उत्थान-पतन- (उपन्यास) पहिल संस्करण- २००९; कुल शब्द- ४४,८१०.

(25.) जीवन-मरण- (उपन्यास) पहिल संस्करण- २०१०; कुल शब्द- २२,५५७.

(26.) जीवन-संघर्ष- (उपन्यास) पहिल संस्करण- २०१०; कुल शब्द- ३५,९७०.

(27.) बड़की बहिन- (उपन्यास) पहिल संस्करण- २०१३; कुल शब्द- २४,०६१.

(28) नै धाड़ैए- (उपन्यास) पहिल संस्करण- २०१३; कुल शब्द- १८,५९४.

(29.) मिथिलाक बेटी- (नाटक) पहिल संस्करण- २००९ कुल शब्द- १७,७३६.

(30.) कम्प्रोमाइज- (नाटक) पहिल संस्करण- २०१३, कुल शब्द- १२,७९७,

(31.) झमेलिया बिआह- (नाटक) पहिल संस्करण- २०१३, कुल शब्द- १०,६२४.

(32.) रत्नाकर डकैत- (नाटक) पहिल संस्करण- २०१३, कुल शब्द- ५,६२३.

(33.) स्वयंवर- (नाटक) पहिल संस्करण- २०१३, कुल शब्द- ७,१०८.

(34.) सतमाए- (एकांकी) पहिल संस्करण- २०१३, कुल शब्द- ३,५७९.

(35.) कल्याणी- (एकांकी) पहिल संस्करण- २०१३, कुल शब्द- ३,९७१.

(36.) समझौता- (एकांकी) पहिल संस्करण- २०१३, कुल शब्द- १,९४६.

(37.) तामक तमघैल- (एकांकी) पहिल संस्करण- २०१३, कुल शब्द- ४,०८४.

(38.) बिरांगना- (एकांकी) पहिल संस्करण- २०१३, कुल शब्द- ४,१०३

(39.) उकड़ू समय- (लघु कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१५; कुल कथा- १०,एवं शब्द- २३,४९२=

(१) उमेद- (३६४३), (२)गलगर भैंस- (३३९२), (३) जाड़ फाटि गेल- (३३२८), (४) सुरता- (३३०४), (५) असुध मन- (२३५३), (६) धरमूदासक अखड़ाहा- (१४१०), (७) ठोरंगू- (१५३१), (८) लगबे ने कएल- (१४४९), (९) उकड़ू समय- (१४६७), (१०) चास-बास दुनू गेल- (१६१५)

(40.) अपन मन अपन धन- (लघु कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१५; कुल कथा- ११, एवं शब्द– २२,४६२=

(१) चौरचनक दही- (२१०१), (२) अपन मन अपन धन- (१५३९), (३) टुटली मरैया- (१९५७), (४) हकार- (१९१७), (५) दहेजुआ गाए- (१९२०), (६)मेटाइत जिनगी- (२१३७), (७) धुर बुड़ि तोरा बजै ने अबै छौ!- (२००३), (८) लेहाज- (१९२७), (९) विचार हेरा गेल- (१९३०), (१०) ओ दिन- (१७८७), (११) उरीन- (३२४४)

जगदीश प्रसाद मण्डलक रचना संसार :: संक्षिप्त परिचय

सम्बन्धित रचनाकारक रचित रचनाक शीर्षक, शब्द संख्या, विधा एवं पोथीक नाओं, ऐ आलेखमे आएल अछि। संगे किछु कथाक लेखन-क्रम जे करीब सबा बर्खक बीचक अछि, निच्चाँमे प्रस्तुत कएल गेल अछि।

(1.) गामक जिनगी- (लघु कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष-२००९; कुल कथा- २०,एवं शब्द- ५९,५६५=

(१) भैंटक लावा- ३१०५, (२) बिसाँढ़- २४९९, (३) पीरारक फड़- २०२४, (४)अनेरुआ बेटा- ३३३९, (५) दूटा पाइ- ३२७९, (६) बोनिहारिन मरनी- ३३९६, (७) हारि-जीत- २३४३, (८) ठेलाबला- २५६२, (९) जीविका- ३६४२, (१०) रिक्साबला- ३९४५, (११) चुनवाली- २४४५, (१२) डीहक बटबारा- (१३) ४७२४, (१४) भैयारी- ४०४१, (१५) बह्नि- २६९२, (१६) घरदेखिया- ४०१८, (१७) पछताबा- २६६५, (१८)डाक्टर हेमन्त- ४३९८,

(१९) बाबी- २१६३, (२०)कामिनी- २२८५.

(2.) अर्द्धांगिनी- (लघु कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष- २०१३; कुल कथा- २०,एवं शब्द- ३८,७६०=

(१) दोहरी मारि- १३५७, (२) केना जीब?- १०३१, (३) नवान- २२८२, (४)तिलासंक्रान्तिक लाइ- २०३४, (५) भाइक िसनेह- ११६६, (६) प्रेमी- २५२०, (७) बपौती सम्पति- २३५२, (८) डंका- २४२२, (९) संगी- १८५८, (१०) ठकहरबा- २३५१, (११) अतहतह- २४७७, (१२)अर्द्धांगिनी- ३०४५, (१३) ऑपरेशन- १६०५, (१४) धर्मनाथ- १९८३, (१५) सरोजनी- १८१६, (१६)सुभद्रा- १९१०, (१७) सोनमाकाका- १५३७, (१८) दोती बिआह- १८१६, (१९) पड़ाइन- १९८८, (२०) केतौ नै १२११.

(3.) सतभैंया पोखरि- (लघु कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष-२०१३; कुल कथा- १९,एवं शब्द- ३३,४५२=

(१) बिहरन- ३१७४, (२) मायराम- २०३७, (३) गोनिक शिकार- २११३, (४) मातृभूमि- १०३६, (५) भबडाह- २०५३, (६) परिवारक प्रतिष्ठा- १८८८, (७) फागु- २०९६, (८) लफक साग- ११९२, (९) लिकोरक तरुआ- १८२६, (१०) एकोटा नै १०७१, (११) धोतीक मान- ४७२, (१२) साझी- ९८९, (१३)सतभैंया पोखरि- २९९०, (१४) न्याय चाही- १३०८, (१५) पनिपाहा दूध- २११४, (१६) कर्ज- २८६०, (१७) परदेशी बेटी- २४५१, (१८) मान- ६३१, (१९) मनोरथ- ११५१.

(4.) भकमोड़- (लघु कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष-२०१३; कुल कथा- ९,एवं शब्द- २१,३१५=

(१) एक धाप जमीन- २५२२, (२) ओझरी- १९६३, (३) मुसहनि- २२७७, (४) केलवाड़ी- २६२८, (५) स्वरोजगार- २३३८, (६) घूर- २७४९, (७) कनियाँपुतरा- २३४०, (८) वारंट- १६०१, (९) गामक मुँह फेर देखब- २८९७.

(5.) उलबा चाउर- (लघु कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष-२०१३; कुल कथा- १३,एवं शब्द- ३१,९६५=

(१) कियो ने- ३६९९, (२) सूदि भरना- ९०४, (३)जन्मतिथि- २३५६, (४) इमानदार घूसखोर- २२०४, (५) पटियाबला- २३५६, (६) सनेस- १२४८, (७) उलबा चाउर- २५८८, (८) बलजोर- २३२०, (९) बेटी, हम अपराधी छी- ३२४०, (१०) बगबारि- १८४७, (११) मुइलो बिसेबनि- ४२४४, (१२) सड़ल दारीम- २४४२, (१३)घुप्पा पाल- २५१७.

(6.) बाल गोपाल- (लघु कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष-२०१४; कुल कथा- १४,एवं शब्द- २०,९२४=

(१) रिजल्ट- २,३४३, (२) सुमति- ३,०५२, (३) फेर पुछबनि- ३४६, (४) भौंटक गहमी- ५०८, (५)सिरमा- ७६०, (६) झकास- १५८९, (७) सजमनियाँ आम- ६११, (८) गरदनिकट्टा बेटा- ५७५, (९) पल भरि- १११६, (१०) चोरक चोरबती- ८८४, (११) सनेस- २६५४, (१२)पुरस्कार- २४१४, (१३) गावीस मोइस ६८७, (१४) गलती अपने भेल- ३३८६.

(7.) पतझाड़- (लघु कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष-२०१४; कुल कथा- १६,एवं शब्द- २०,५०३=

(१) पाइक मोल- २४१२, (२)चोरूक्का झगड़ा- ५३८, (३) अपसोच- ५४८, (४) पतझाड़- २५८७, (५) झीसीक मजा- ४५३, (६) मति-गति- १८०७, (७) अपन सन मुँह- ५६९६, (८) माघक घूर- १६८३, (९)खर्च- ३३०, (१०) अखरा-दोखरा- ३४२, (११) पेटगनाह- ५९३, (१२)लड़की माता- १२२४, (१३) धरती-अकास- १८४, (१४) बकठाँइ- ८८३, (१५) चैन-बेचैन- ९३६, (१६)अलपुरिया बरी- २८७.

(8.) अप्पन-बीरान- (लघु कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष-२०१४; कुल कथा- १९,एवं शब्द- १८,५१३=

(१) हथियाएल खुरपी- ६५०, (२) नीक बोल- ५७०, (३) सुआद- ६२४, (४)गंगा नहेलौं- ६८६, (५) भँसैत नाह- ५९२, (६) पान पराग- १,७०४, (७) नौमीक, हकार- १,११६, (८)फोंक मकड़- १,७५५, (९) केते लग केते दूर- १,२५५, (१०)अभिनव अनुभव- ३२६, (११)खोंटकर्मा- १,१८४, (१२) किछु ने- ५०१, (१३) अप्पन-बीरान- २,८९४, (१४) अर्जुन रोग- १,००३, (१५) नैहराक धाड़- ८८१, (१६) अवाक- १,०४१, (१७)पोखरिक सैरात- ९२३, (१८) दनियाँ डाबा- ४०९, (१९) धरम काँट- ३९९.

(9.) लजबिजी- (लघु कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष-२०१४; कुल कथा- १९,एवं शब्द- २२,४४७=

(१) अकाल- १,२३८, (२) उझट बात- १,१५२, (३)कर्जखौक- १,१७५, (४) उनटन- १,१८७, (५) रेहना चाची- १,३०७, (६) बुधनी दादी- १,२५६, (७)अउतरित प्रश्न- १,२२९, (८) हारि- १,२४०, (९) सोनाक सुइत- १,१३५, (१०) मरूभूमि- १,२१४, (११) असगरे- १,५५७, (१२) पुनी नानी- १,३०४, (१३) कटा-कटी- १,१४०, (१४) केते लग केते दूर- १,२०६, (१५) घर तोड़िदेलिऐ- १,५२७, (१६) सजल स्मृति- २,३६३, (१७) सए कछे- ४८८, (१८) एक मुठी, घास- ४११, (१९)करिछौंह मुँह- ३१८.

(10.) रटनी खढ़- (दीर्घ कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष-२०१४; कुल कथा- ०५, एवं शब्द- २५,२६१=

(१) किरदानी- ५२९६, (२) सगहा- २८६७, (३) मनकमना- ६११८, (४) घरवास- ४,८८४. (५) समधीन- ६,०९६.

(11.) गामक शकल-सूरत- (लघु कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष-२०१४; कुल कथा- ०५, एवं शब्द- २१,५०५=

(१) ठकुआएल भुसवा- ३३५६, (२) चापाकलक पाइप- १६१६, (३) कलम हानि कऽ– २२२६, (४) लतियाएल जिनगी- ११८४, (५) गामक शकल-सूरत- २५९६, (६)जितिया पावनि- ३७०६, (७) सुखाएल सूरत- ३६९०, (८) भैयारी हक- ३१३१.

(12.) समरथाइक भूत- (लघु कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष-२०१४; कुल कथा- ०८, एवं शब्द- २३,७१४=

(१) खुदियाएल- २८९४, (२) खटहा आम- ३५२८, (३) ढकरपेँच- ३७४०, (४) असहाज- २८५३, (५) समरथाइक भूत- ३८३२, (६) विदाइ- ५१०३, (७) खलओदार- ७३१, (८) मनुखदेवा- १०१६.

(13.) शम्भुदास- (दीर्घ कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष-२०१३; कुल कथा- ०३, एवं शब्द- २९,९४२=

(१) मइटुग्गर- ९,६८४, (२) शम्भुदास- ९,८३७, (३) फाँसी- १०,४२१.

(14.) बजन्ता-बुझन्ता- (विहनि कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष-२०१३; कुल कथा- ६८, एवं शब्द- १८,५४७=

(१) कचोट- ३१३, (२) काँच सूत- ३९०, (३) बुधनी दादी- २६७, (४)खिलतोड़- ३९६, (५) मुँह-कान- २३४, (६) अनदिना- ३१२, (७) अपन काज- ३६६, (८)दूरी- २६४, (९) पुरनी भौजी- ११६, (१०) छूटिगेल- १११, (११) काल्हि दिन- १५१, (१२) अप्पन हारि- २८३, (१३) कनफुसकी- १३७, (१४) मुँहक बात मुहेँमे १३५, (१५) कनीटा बात- ०९८, (१६) गत्तिगुद्दा- २५०, (१७) बिसवास- ३१६, (१८) कचहरिया-भाय- २७०, (१९) गुहारि- ४३२, (२०) शिवजीक डाक-बाक्- ०८९, (२१) सोग- ३४१, (२२) पनचैती- १९७, (२३) कनमन- ३१३, (२४) अजाति- ०८५, (२५) पटोर- ४१२, (२६)फुसियाह- ३०८, (२७) गति-मुक्ति- २४१, (२८) चौकीदारी- ४३७, (२९) झगड़ाउ-झोटैला- २५६, (३०)घबाह ट्यूशन- २४६, (३१) दादी-माँ ४०८, (३२) पटोटन- ३४९, (३३) मुसाइ पंक्ति- ५६७, (३४) भरमेसरम- २३१, (३५) देखल क्नि- ४३४, (३६) फज्झति- ४०३, (३७) अकास दीप- २३३, (३८) बुधि-बधिया- २६८, (३९) पहाड़क बेथा- २१६, (४०)उमकी- ३२४, (४१) बजन्ता-बुझन्ता- १४७, (४२) चर्मरोग- ५७८, (४३) शंका- ३२५, (४४) ओसार- २१३, (४५) छोटका काका- ३९४, (४६) सीमा-सड़हद- १९५, (४७) रमैत जोगी बोहैत पानि- २५३, (४८) गंजन- १७२, (४९) सजए- ०८९, (५०) घटक बाबा- ३३५, (५१) आने जकाँ ०४८, (५२) दान-दछिना- १५०, (५३) उड़हड़ि- ५०३, (५४)मत्हानि- २६०, (५५) मेकचो- २२१, (५६) झूटका विझइ- ३५०, (५७) मुँहक खत्तियान- २७८, (५८)कोसलिया- २३४, (५९)हूसि गेल- २०४, (६०) पोखला कटहर- १५३, (६१) सरही सौबजा- २६७, (६२) तेरहो करम- ३२२, (६३) डुमैत झिनगी- २९५, (६४) चोर-सिपाही- १९७, (६५) दूधबला- २७१, (६६) टाइपिस्ट- २६३, (६७) समदाही- ३००, (६८) बुढ़िया दादी- ३३१.

(15.) तरेगन- (विहनि कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष-२०१०; कुल कथा- १११, एवं शब्द- १८,८६७

(१) स्रष्टाक समग्र रचना- १३७, (२) प्रतिभा- १५४, (३) मर्म- १४२, (४) अधखरूआ- २५५, (५) समैक बेरबादी- २१३, (६) पहिने तप तखनि ढलिहेँ- ०८४, (७) खलीफा उमरक सिनेह- १६५, (८) जखने जागी तखने परात- १०३, (९) अस्तित्वक समाप्ति- २१८, (१०) खजाना- ३८८, (११)उग्रघारा- ३२८, (१२) बेवहारिक- २१८, (१३) समर्पण- १४९, (१४) उत्थान-पतन- १३८, (१५) देवता- २३२, (१६)पाप आ पुण्य- २१८, (१७) परख- १२९, (१८) आलसी- १३६, (१९)प्रेम- २९३, (२०) हैरियट स्टो- १३७, (२१) बुझैक ढंग- १४२, (२२)श्रमिकक

इज्जत- ०९३, (२३) वंश- ०७४, (२४) तियाग- १४५, (२५) सद्विचार- १८४, (२६) साहस- १०३, (२७) बरदास- १३३, (२८) भूल- १३९, (२९) धैर्य- ०९९, (३०) मनुखक मूल्य- ०९९, (३१) मदति नै चाही- २०९, (३२) मेहनतिक दरद- २८१, (३३) मैक्सिम गोर्की- १४६, (३४) मूलधन- १७४, (३५)कपटी मित- २८१, (३६) भीख- ११८, (३७) भगवान- ०९८, (३८) एकाग्रचित- २६१, (३९) सीखैक जिज्ञासा- १०१, (४०) अनुभव- ०९२, (४१) अासिरवादक विरोध- ०८८, (४२) धर्मक असल रूप- १९७, (४३) सौन्दर्य- १३८, (४४) स्तब्ध- २५७, (४५) एकता- २३६, (४६) विधवा बिआह- १७६, (४७) देश सेवाक व्रत- १३४, (४८) आत्मबल- १- ११०, (४९) स्वाभिमान- १२१, (५०) कलंक- ४२९, (५१)बुलकी- २११, (५२) भद्रपुरुष- १७३, (५३) झूठ नै बाजब- १०३, (५४) आर्दश माए- ०९७, (५५) नारी सम्मान- १००, (५६) अनुशासन- १९०, (५७)सादा जिनगी- १२७, (५८) विचारक उदय- ०७२, (५९)पुष्ट इकाइसँ समर्थराष्ट बनैत- १०२, (६०) डर नै करी- ११९, (६१)अासिरवाद उलटि गेल- २२३, (६२)रत्न गमेवाक दुख- २२६, (६३) निसाँ- १९४, (६४) सामना- १२४, (६५)शिष्टाचार- १७१, (६६) ठक- ११५, (६७)पत्नीक अधिकार- १२८, (६८) शिनीची सिनेह- २११, (६९)सिखबैक उपए- १७१, (७०) कर्तव्यपरायन सुगा- १७१, (७१) तस्वीर- १३४, (७२) मितक प्रयोजन- ३५९, (७३) स्वार्थपूर्ण विचार- १२१, (७४) संगीक महत- १३०, (७५) उपहास- १९६, (७६) महादान- १७६, (७७)भाग्यवाद- १७१, ७८) सद्भूति- १५०, (७९) आश्रम नै सोबहाव बदली- २८१, (८०) पुरुषार्थ- २५५, (८१) नैष्ठिक सुधन्वा- २७४, (८२) सद्गृहस्त- १९५, (८३) सद्भाव- १३४, (८४) आलस्य वनाम पिशाच- ३०२, (८५)स्वर्ग आ नर्क- २६५, (८६) यथार्थक बोध- ११५, (८७) विद्वताक मद- १६५, (८८) अनंत- १२८, (८९) हँसैत लहास- १८४, (९०) अनगढ़ चेतना- १६२, (९१) सत्य विद्या- १०८, (९२) समता- १६५, (९३)जेते चोट तेते सक्कत- ११६, (९४) परिष्कार- १९८, (९५) कथनी नै करनी- १७६, (९६) शालीनता- १५७, (९७) मजूरी- १४०, (९८)जीवन यात्रा- १४५, (९९) ज्योति- ०८१, (१००) पवनक विवेक- १८०, (१०१)आत्मबल-२- १०५, (१०२) खुदीराम बोस- १७२, (१०३)शिष्यकें शिक्षेटा नै परीक्षो- १८७, (१०४) लौह पुरुष- १२४, (१०५) जंग लगल- १५०, (१०६) जीवकक परीछा- ११७, (१०७) तप- १६२, (१०८) उल्टा अर्थ- २०३, (१०९) जाति नै पानि- १४२, (११०) ऊँच-नीच- २०६, (१११) पागलखाना- २२३.

(16.) इंद्रधनुषी अकास- (काव्य संग्रह) प्रकाशन वर्ष- २०१३; कुल काव्य संख्या- ९५ एवं शब्द- ९,४०९=

(१) मन-मणि- ०७१, (२) चल रे जीवन- २४६, (३) धोब घाट- २०८, (४) सासुपुतोहु वार्ता- १८६, (५) बौड़ाएल बटोही- १९८, (६)अपनेपर हँसै छी- १९०, (७) धोबिघाट- १६७, (८) साँझ- १२३, (९)सात्विक भाव- १०४, (१०) दिव्य शक्ति- ०७०, (११) उड़ियाएल चिड़ै- १००, (१२) रणभूमि- १८१, (१३) सान-धार-धारा- ०७३, (१४) पपीहाक गीत- ०७८, (१५) बिधरक बीख- ०६२, (१६) मिथिला केहेन- ०५८, (१७) मौसमक मुस्की- ०८४, (१८) आशा- ०७४, (१९) आँखि- ०६४, (२०) मधुरस- ११७, (२१) बीआ- १३८, (२२) महजाल- ०८०, (२३) बाट- १२९, (२४) डभियाएल डगर- १००, (२५) लज्जति- ०७३, (२६) गीत-१- ०४०, (२७)गंग स्नान- ०५३, (२८) फनकी- ०४३, (२९) सभ किछु छै जालेमे- ०९४, (३०) गंगा नहाए- १२३, (३१) गोधन पूजा- ०९०, (३२) माटिक फूल- ११५, (३३) झगड़ा- ०७८, (३४)नजरि- ०३२, (३५) कमलाधार- ०२८, (३६) बाल कविता- ०६५, (३७) भभूत- ०९२, (३८) झूठ-साँच- १०१, (३९)नव दुनियाँ- ०८७, (४०) पुरुषार्थ- ११६, (४१) सरस्वती वंदना- ०७०, (४२) भीड़-भार- १०१, (४३)सरस्वती हमर- ०८१, (४४) अगहन- १०१, (४५) केना मेटत गरीबी- १७४, (४६) बाढ़िक सनेस- ०६९, (४७) अगो-लोढ़ा- १३८, (४८)हथियाक झटकी- ०९७, (४९) रहसा चौर- ०९२, (५०) बेरोजगारी- ०९६, (५१)लीढ़ी पोखरि- १०३, (५२) बकरी भेराड़ी- ०९१, (५३) महगी- १०३, (५४) जरनबिछनी- ०९२, (५५) नव-फल- १२९, (५६) पूभर- ०८८, (५७) चौरीक धनकटनी- १४६, (५८) किसान- १०३, (५९) टुटैत जिनगी- ०७९, (६०) कविता- ०७८, (६१) बुझिबकी- १००, (६२) भुताहि गाछी- २२६, (६३) वोनक आगि- ०४९, (६४) बिसल बर्खक विदाइ- ०४५, (६५) संगी- ०९३, (६६) बेथा- ०९२, (६७)धब्बा- ०८५, (६८) पितृपक्षक भोज- ०९०, (६९) ठनका- १२४ , (७०) झपासा- ०९५, (७१)शिवचरन- १४०, (७२) चौठचन्द्रक छाँछी- ०८०, (७३) भरदुतिया- ०९२, (७४) फूसि- ०४५, (७५) चिक्कनि माटि- ०८२, (७६) झारू-

बाढ़नि- १२०, (७७) डगरीक डगर- ०८०, (७८) चपरासी भाय- ०९०, (७९) नोत- १२८, (८०) लटुआ- १०३, (८१) एकैसम सदीक देश- १७८, (८२)मधुमाछी- २१५, (८३) जुआनी- ०८०, (८४) तरंग- १०७, (८५) ऐ पढ़बसँ मुरखे रहितौं- ११४, (८६) नंगरकट घोड़ा- १११, (८७) गीत-२- ०५५, (८८) फुलबसिा- ०७०, (८९) करैलाक फूल- ०८०, (९०) गिरहकट- ०७२, (९१) मोबाइल फोन- ०४२, (९२)पछिला गणित- ०८३, (९३) कौमन सेन्स- ०८१.

(17.) राति-दिन- (काव्य संग्रह) प्रकाशन वर्ष- २०१३; कुल काव्य संख्या- ५५ एवं शब्द- ९,७७८=

(१) सघर्ष- २८८, (२) साँझ-भोर- १३९, (३) समए- १५०, (४)जिनगीक मोड़- १६४, (५) अकलबेड़ा- ३६६, (६) धूप-छाँह- ०९२, (७) माए- १०७, (८) साथी- ०९९, (९) घरक लोथि बुड़ले अछि- ०९५, (१०) जुग बदलल जमाना बदलल- ११४, (११) फँसरी- १- ०८८, (१२) गरीबी- १६४, (१३) दबाइए राेग- १६३, (१४) मुँहक झालि- १३४, (१५) किछु सीखू किछु करू- १०७, (१६) पत्नी- १७२, (१७) चेतन चाचा- ३९६, (१८)पौरुष- २६५, (१९) घोड़ मन (भाग-१)- ०९१, (२०) घोड़ मन (भाग-२)- ०८२, (२१) घोड़ मन (भाग-३)- ०६७, (२२) घोड़ मन (भाग-४)- ०६९, (२३) अलकक चान- २२०, (२४)शिशवोनी- ४७२, (२५) फगुआ- १४५, (२६) शील- ४०३, (२७) प्रिय- ३५४, (२८) अपनेपर- २४९, (२९) डायरी- १०४, (३०) मानव गुण- २५०, (३१) छूबिोल- ११७, (३२) मरल घाट- ६०३, (३३)हल्लुक काज- ३३४, (३४) बीघा भरि चास-बास- २२२, (३५) पट्टा छीमी- १८७, (३६) बदरीहन- १८७, (३७)बालि वध- ११०, (३८) अनेरुआ वन- ०७९, (३९) फँसरी- २- १००, (४०) विचलित मन- १३८, (४१) गुड़ घाव- ११४, (४२) एकटा बताह- ११४, (४३)हूसि गेल- १००, (४४) अखड़ा जिनगी- १११, (४५) बिटगरहा- २१७, (४६) बाल गीत- ०८२, (४७)गाछी भुताइ- ११९, (४८) अंडीक छाहरि- ०९०, (४९) परदेशी- ११८, (५०)अन्हराएल छी- ०७३, (५१) ओ दिन- १९५, (५२) सतीवेश्या- ४१६, (५३) दूजा भाव- ०८८, (५४) जीबैले लड़ए पड़त- ०९१, (५५) पगलखना- १६५.

(18.) सरिता- (गीत संग्रह) प्रकाशन वर्ष- २०१३; कुल गीत- ५४,एवं शब्द- ४,९२२

(१) परदेश जेतै- १९७, (२) ओज ओझरी- ८६, (३) पानि बीच- १९१, (४) बंसी धार- ७९, (५) जीबठ बान्हि- १४४, (६) राति-दिन- ९४, (७) तेहरौनी- ९३, (८)गेल उमरिया- ८४, (९) कर-करनाम- ८२, (१०) मनुख कहाँ- १५३, (११) चान कौसिकीय- ९३, (१२) घट-घट- ८१, (१३) ओल ओड़ि ८७, (१४) निरजन वन- ६७, (१५) हरबाह- ७९, (१६) हर हलक- ६२, (१७) सालक बिाइ- ५२, (१८) मोनि मन- ६१, (१९) सेड़ाइते ७७, (२०) दिन-रातिक- ६८, (२१) अबिते आँगन- ७०, (२२) समाज सजल- ६७, (२३)सभ मिलि- ८३, (२४) सोच सकार- ५७, (२५) अबिते अगहन- ७२, (२६) उपजल खेत- ७९, (२७) धूल चरण- ८७, (२८) उनटन- ६१, (२९) जान विचार- ६५, (३०) चालनि-सूप- ८८, (३१) मरम देखि- ९८, (३२) वेद-भेद- ८१, (३३) भक-इजोतमे ८८, (३४) जेठुआ गरे- १०९, (३५) िनर्जन वन- ७६, (३६) छगुन्तामे पड़ल छी- १००, (३७) सुआगत की लए- ९३, (३८) सुआगत अपनेक- ६३, (३९) वृद्ध केना- १०१, (४०) समए केर- ६०, (४१) भगवती गीत- ७०, (४२) आनक बोझ- ८५, (४३) अड़कन-मरकन- ६७, (४४) हाल-बेहाल- ७८, (४५) अाजादीक उमंग- १०४, (४६) बुधिए भोतिया- १२९, (४७) घर-घरा- १२७, (४८) जा बौआ- १०६, (४९) लतलत लत्ती- ७३, (५०) पीड़ि रीति- १०६, (५१) अकार-सकार- ११७, (५२) मंगनी-चंगनी- १०५, (५३)आन्ही-अन्हर- ९९, (५४) सुफल काज- ११८.

(19.) तीन जेठ एगारहम माघ- (गीत संग्रह) प्रकाशित- २०१३; कुल गीत- ५४ एवंशब्द- ४,०९३=

(१) गाछक रंग बदलि- ७९, (२) मुँहक हँसी केहेन- ९०, (३)झोंक जुआनी झोंकए- ६२, (४) बैसले-बैसल नाचि- १०१, (५) गुमकीमे बौआए- ६९, (६) भूत बनि भुतियाएल- ७०, (७) सुखले मे सभ- ७५, (८) दीनक बि केना- ८१, (९) कोढ़ पकड़ि ८५, (१०) जाल समाज- ८३, (११) मीत यौ, देहक पानि १००, (१२) आश प्रेम संग- ९१, (१३) विषय दस- ९३, (१४) धर्मक फूल- ८९, (१५) किछु ने करै छी- ९३, (१६) अपने पाछू- ९८, (१७) उठी-बैसी- ७१, (१८) गर-मुड़- ६९, (१९) मनक बेथा- ७४, (२०) रहल नै- ८२, (२१) पकड़िमए- ७१, (२२) सतरंग ऐ- ८६, (२३) दुनियाँक जेहने- ७१, (२४) चढ़ि अन्हार- ६९, (२५) एक िवष- ७३, (२६) पेटक ताप- ८९, (२७)

पत्रिका 'विदेह' १७३ म अंक ०१ मार्च २०१५ (वर्ष ८ मास ८७ अंक १७३) मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

जेहेन मुँह- ७७, (२८) धार संग नाह- १०८, (२९) मन मशीन- ८३, (३०) खट-मीठ- ५९, (३१)ओंकमे- ६३, (३२) पबिते पैग- ५८, (३३) हेलमेल जाधरि- ७७, (३४) कौशल जखनि- ७९, (३५)उमकीमे उमकि- ६७, (३६) जिनगीक कुन्ज- ८८, (३७) सतचित- ५४, (३८) पड़िते पएर- ७१, (३९) अहाँ किए- ८२, (४०) घटघट घोंट- ७६, (४१) जह्निा बारह- ६२, (४२)दुनियाँ घोड़ाएल- ६१, (४३)बहलि बहील- ७०, (४४)हलचल जिनगी- ६४, (४५) टकटक ताक- ६८, (४६) भीख मांगि- ६६, (४७)बकरी खुट्टी- ७४, (४८) अमरा अँचार- ७६, (४९) घरे-घरे- ६३, (५०) बेटी किए- ६४, (५१) मनक भाव- ६८, (५२) निरजन सिर- ६८, (५३) दूधक भूखल- ६९, (५४) मारी-बेमारी- ६४.

(20.) सुखाएल पोखरिक जाइठ- (गीत संग्रह) प्रकाशित- २०१३; कुल गीत- ४९एवं शब्द- ४,०८८=

(१) केकरो फूल- ९७, (२)काज पसरि- १०१, (३) धार बीच- ८४, (४) फेरो हम- ८२, (५) रंगिते काजक- ८१, (६) चोरकट चालि- ९०, (७) डूमा-डुमी- ६९, (८) छाती चढ़ि- ८२, (९) ससुरामे८२, (१०) जिनगीक ताक- ७४, (११) गोर मुँह- ८५, (१२) कतरा आम- ८८, (१३)सूखल पोखरिक- ७८, (१४) श्रोता कहि- ८२, (१५) जड़ि जंजालक- ७८, (१६) उगिते लाज- ९३, (१७)ओन्हा चालि- ६७, (१८) गिरैत घर- ९७, (१९) अना गाहिंस- ९६, (२०) सूखल पोखरिक- ९०, (२१) लत्ती जेना- ८८, (२२) पाटि- ९५, (२३) गोहि बनि- ९१, (२४) जेहन जे९३, (२५) चेत चेता- ९२, (२६)अन्हर जाल- ९९, (२७) डायरीक- ७२, (२८) बरहबटू- ८८, (२९) चोटी छुबए- ९३, (३०) खेल-खेलाड़ी- ७९, (३१) ककोड़बा- ८०, (३२) सोर बनि ९४, (३३) सेज-सिंगार- ९८, (३४) जएह लूरि- ७०, (३५) जोति हर- ९५, (३६) हर हलक- ६२, (३७) हिम-गिरि- ६४, (३८) भुवन भूचलि- ६९, (३९) खुजिते आँखि- १०१, (४०) मुड़जन मनुहर- ६४, (४१)गोधूलि-बेल- ७२, (४२) दौड़ि-दौड़- ६८, (४३) चोट-चाट- ७०, (४४) चाइन चेन- ७५, (४५) दीनक दोख- ८३, (४६) सगर समनदर- ७६, (४७) चप-चप- ६९, (४८) संसंग- १०३, (४९)जिनगीक भव- ८९.

(21.) गीतांजलि- (गीत संग्रह) प्रकाशित- २०१३; कुल गीत- ५१ एवंशब्द- ३,७७७=

(१) हाल-बेहाल- ९५, (२) शीला शील- ५८, (३)रंग सियाही- ५८, (४) दिन घटतै- ७०, (५) उठिते आगि- ७०, (६) छप्पर किए- ५३, (७) गामसँ किए- ९६, (८)बेढब रूप- १०३, (९) संग जिनगी- ९८, (१०) सबहक जिनगी- ५९, (११) सुन मैया गे ७४, (१२) पकड़ि तान- ८३, (१३) भाेरे कनी- ७२, (१४) पकड़िपग- ५९, (१५) संच-मंच रहए- ६२, (१६) ओस बनि- ६४, (१७) बाढ़ि सभ- ८४, (१८) हरा-ढरा- ६६, (१९) मीत यौ- ७६, (२०) अजीब-अजीब- ६१, (२१) अपने ताले ७३, (२२) पग-पग- ७३, (२३) यार यौ- ८५, (२४) निरमोही बौआ- ६१, (२५) अपना गतिए- ९८, (२६) मीत यौ - ९४, (२७) हे बह्निा - ९४, (२८) हे बह्निा- ६९, (२९) सुक्खक अतृप्त- ५०, (३०) नढ़ड़ा हेल- १०५, (३१) अहीं कहू- ८५, (३२) चलू उचितपुर- ९८, (३३) कानि कलपि- ५७, (३४)बुधिये बाट- ५८, (३५) जुग-जुग- ७०, (३६) घात लगौने ७१, (३७) देहमे नमहर- ९२, (३८) जिनगीमे जे- ७६, (३९) हे बह्निा केना- ९२, (४०) हे आशुतोष- ८३, (४१) मनक फूल- ७७, (४२) फूल मनक- ५१, (४३) बेकाल-काल- ७१, (४४) जेहन जेकर- ८१, (४५) समए-साल- ५३, (४६) संग मान-समान- ७८, (४७) जेहने शक्तिक- ५८, (४८) खेल खेलौ- ५१, (४९)प्रेमी पिया- ७९, (५०) बिसरि गेल- ८०, (५१) आबो कनी- ६३.

(22.) मौलाइल गाछक फूल- (उपन्यास) प्रकाशन वर्ष- २००९; कुल शब्द- ४५,६८२.

(23.) जिनगीक जीत- (उपन्यास) प्रकाशन वर्ष- २००९; कुल शब्द- ४६,५९०.

(24.) उत्थान-पतन- (उपन्यास) प्रकाशन वर्ष- २००९; कुल शब्द- ४४,८१०.

(25.) जीवन-मरण- (उपन्यास) प्रकाशन वर्ष- २०१०; कुल शब्द- २२,५५७.

(26.) जीवन-संघर्ष- (उपन्यास) प्रकाशन वर्ष- २०१०; कुल शब्द- ३५,९७०.

(27.) बड़की बहिन- (उपन्यास) प्रकाशन वर्ष- २०१३; कुल शब्द- २४,०६१.

(28) नै धाड़ैए- (उपन्यास) प्रकाशन वर्ष- २०१३; कुल शब्द- १८,५९४.

(29.) सतवेध- (पद्य संग्रह) अपूर्ण।

(30.) सधवा-विधवा- (उपन्यास) अप्रकाशित।

(31.) भादवक आठ अन्हार- (उपन्यास) अप्रकाशित।
(32.) मिथिलाक बेटी- (नाटक) प्रकाशन वर्ष- २००९ कुल शब्द- १७,७३६.
(33.) कम्प्रोमाइज- (नाटक) प्रकाशन वर्ष- २०१३, कुल शब्द- १२,७९७,
(34.) झमेलिया बिआह- (नाटक) प्रकाशन वर्ष- २०१३, कुल शब्द- १०,६२४.
(35) रत्नाकर डकैत- (नाटक) प्रकाशन वर्ष- २०१३, कुल शब्द- ५,६२३.
(36.) स्वयंवर- (नाटक) प्रकाशन वर्ष- २०१३, कुल शब्द- ७,१०८.
(37.) सतमाए- (एकांकी) प्रकाशन वर्ष- २०१३, कुल शब्द- ३,५७९.
(38.) कल्याणी- (एकांकी) प्रकाशन वर्ष- २०१३, कुल शब्द- ३,९७१.
(39.) समझौता- (एकांकी) प्रकाशन वर्ष- २०१३, कुल शब्द- १,९४६.
(40.) तामक तमघैल- (एकांकी) प्रकाशन वर्ष- २०१३, कुल शब्द- ४,०८४.
(41.) बिरांगना- (एकांकी) प्रकाशन वर्ष- २०१३, कुल शब्द- ४,१०३
(42.) उकडू समय- (लघु कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष- २०१५; कुल कथा- १०,एवं शब्द- २३,४९२=

(१) उमेद- (३६४३), (२)गलगर भैंस- (३३९२), (३) जाड़ फाटि गेल- (३३२८), (४) सुरता- (३३०४), (५) असुध मन- (२३५३), (६) धरमूदासक अखड़ाहा- (१४१०), (७) ठोरंगू- (१५३१), (८) लगबे ने कएल- (१४४९), (९) उकडू समय- (१४६७), (१०) चास-बास दुनू गेल- (१६१५)

(43.) अपन मन अपन धन- (लघु कथा संग्रह) प्रकाशन वर्ष- २०१५; कुल कथा- ११, एवं शब्द– २२,४६२=

(१) चौरचनक दही- (२१०१), (२) अपन मन अपन धन- (१५३९), (३) टुटली मरैया- (१९५७), (४) हकार- (१९१७), (५) दहेजुआ गाए- (१९२०), (६)मेटाइत जिनगी- (२१३७), (७) धुर बुड़ि तोरा बजै ने अबै छौ!- (२००३), (८) लेहाज- (१९२७), (९) विचार हेरा गेल- (१९३०), (१०) ओ दिन- (१७८७), (११) उरीन- (३२४४)

ऐ बीचक कथा-लेखन-क्रम...

१. पाइक मोल- (२४१२) - २२दिसम्बर २०१३
२. चोरूक्का झगड़ा- (५३८) २४ दिसम्बर २०१३
३. अपसोच- (५४८) २६दिसम्बर २०१३
४. पतझाड़- (२५८७) ३१दिसम्बर २०१३
५. झीसीक मजा- (४५३) १ जनवरी २०१४
६. मति-गति- (१८०७) ०७ जनवरी २०१४
७. अपन सन मुँह- (५६९६) २५ जनवरी २०१४
८. रिजल्ट- (२३४३) १६ जनवरी २०१४
९. सुमति- (३०५२) ३० जनवरी २०१४
१०. फेर पुछबनि- (३४६) ३१ जनवरी २०१४
११. माघक घूर- (१६८३) ०६ फरवरी २०१४
१२. खर्च- (३३०) ०७ फरवरी २०१४
१३. अखरा-दोखरा- (३४२) १० फरवरी २०१४
१४. पेटगनाह- (५९३) १४ फरवरी २०१४

१५. बड़की माता- (१२२४) १८ फरवरी २०१४
१६. धरती-अकास- (१८४) १९ फरवरी २०१४
१७. बकठाँइ- (८८३) २४ फरवरी २०१४
१८. चैन-बेचैन- (९३६) ०९मार्च २०१४
१९. हथियाएल खुरपी- (६५०) ११मार्च २०१४
२०. अलपुरिया बरी- (२८७) १२मार्च २०१४
२१. नीक बोल- (५७०) १३मार्च २०१४
२२. सुआद- (६२४) १४मार्च २०१४
२३. गंगा नहेलौं- (६८६) १९मार्च २०१४
२४. भौंटक गहमी- (५०८) २४मार्च २०१४
२५. भँसैत नाह- (५९२) २६मार्च २०१४
२६. पान पराग- (१७०४) २९मार्च २०१४
२७. सिरमा- (७६०) ३१मार्च २०१४
२८. नौमीक हकार- (१११६) ०३अप्रैल २०१४
२९. फोंक मकड़- (१,७५५) १० अप्रैल २०१४
३०. केते लग केते दूर-(१२५५) १४अप्रैल २०१४
३१. अभिनव अनुभव- (३२६) १६अप्रैल २०१४
३२. खोंटकर्मा- (११८४) १९ अप्रैल २०१४
३३. किछु ने- (५०१) २२ अप्रैल २०१४
३४. झकास- (१५८९) २६अप्रैल २०१४
३५. अप्पन-बीरान- (२,८९४) ०१ मई २०१४
३६. सजमनियाँ आम- (६११) ०४ मई २०१४
३७. अर्जुन रोग- (१००३) ७ मई २०१४
३८. गरदनि कट्टा बेटा- (५७५) १० मई २०१४
३९. नैहराक धाड़- (८८१) १४ मई २०१४
४०. अवाक- (१०४१) १७ मई २०१४
४१. पोखरिक सैरात- (९२३) २० मई २०१४
४२. दनियाँ डाबा- (४०९) २२ मई २०१४
४३. धरम काँट- (३९९) २३ मई २०१४
४४. पल भरि- (१११६) २४ मई २०१४
४५. किरदानी- (५२९६) १४ जुन २०१४
४६. सगहा- (२८६७) २२ जुन २०१४
४७. अकाल- (१२३८) २४ जुन २०१४
४८. उझट बात- (११५२) २६ जुन २०१४
४९. कर्जखौक- (११७५) २ जुलाई २०१४
५०. उनटन- (११८७) ६ जुलाई २०१४
५१. रेहना चाची- (१३०७) ९ जुलाई २०१४
५२. बुधनी दादी- (१२५६) ११ जुलाई २०१४
५३. अउतरित प्रश्न- (१२२९) १४ जुलाई २०१४
५४. हारि- (१२४०) १६ जुलाई २०१४

५५. सोनाक सुइत- (११३५) १७ जुलाई २०१४
५६. मरूभूमि- (१२१४) २० जुलाई २०१४
५७. असगरे- (१५५७) २४ जुलाई २०१४
५८. पुरनी नानी- (१३०४) २७ जुलाई २०१४
५९. कटा-कटी- (११४०) ३० जुलाई २०१४
६०. केते लग केते दूर-(१२०६) ३ अगस्त २०१४
६१. गलती अपने भेल-(३३८६) ०६अगस्त २०१४
६२. चोरक चोरबती- (८८४) ६अगस्त २०१४
६३. घर तोड़ि देलिऐ- (१५२७) १० अगस्त २०१४
६४. सजल स्मृति- (२३६३) १४ अगस्त २०१४
६५. सनेस- (२६५४) १६अगस्त २०१४
६६. सए कच्छे- (४८८) १९ अगस्त २०१४
६७. एक मुठी घास- (४११) २१अगस्त २०१४
६८. करिछौंह मुँह- (३१८) २४ अगस्त २०१४
६९. पुरस्कार- (२४१४) २४ अगस्त २०१४
७०. गावीस मोइस- (६८७) २९ अगस्त २०१४
७१. मनकमना- (६११८) १९सितम्बर २०१४
७२. घरवास- (४८८४) २६सितम्बर २०१४
७३. समधीन- (६०९६) ०४अक्टुबर २०१४
७४. चापाकलक पाइप- (१६१६) ७अक्टुबर २०१४
७५. कलम हानि कऽ-(२२२६) १०अक्टुबर २०१४
७६. लतियाएल जिनगी-(११८४),१४ अक्टुबर २०१४
७७. गामक शकल-सूरत-(२५९६),२७अक्टुबर २०१४
७८. जितिया पावनि- (३७०६) २४ अक्टुबर २०१४
७९. सुखाएल सूरत- (३६९०) ३०अक्टुबर २०१४
८०. भैयारी हक- (३१३१) ४नवम्बर २०१४
८१. ठकुआएल भुसवा- (३३५६) १३नवम्बर २०१४
८२. खुदियाएल- (२८९४) १७नवम्बर २०१४
८३. खटहा आम- (३५२८) २२नवम्बर २०१४
८४. ढकरपेँच- (३७४०) ३०नवम्बर २०१४
८५. असहाज- (२८५३) ०४दिसम्बर २०१४
८६. समरथाइक भूत- (३८३२) ०७दिसम्बर २०१४
८७. विदाइ-(५१०३), १७दिसम्बर २०१४
८८. खलओदार- (७३१), १९दिसम्बर २०१४
८९. मनुखदेवा (१०१६), २२दिसम्बर २०१४
९०. उमेद- (३६४३), ३१दिसम्बर २०१४
९१. गलगर भैंस- (३३९२), ४ जनवरी २०१५
९२. जाड़ फाटि गेल- (३३२८), ९ जनवरी २०१५
९३. सुरता- (३३०४), १५ जनवरी २०१५
९४. असुध मन- (२३५३), १९ जनवरी २०१५

९५. धरमूदासक अखड़ाहा- (१४१०), २१ जनवरी २०१५
९६. ठोरंगू- (१५३१), २३ जनवरी २०१५
९७. लगबे ने कएल- १४४९), २५ जनवरी २०१५
९८. उकड़ू समय- (१४६७), २७ जनवरी २०१५
९९. चास-बास दुनू गेल- (१६१५), २९ जनवरी २०१५
(१००) चौरचनक दही- (२१०१), ३१ जनवरी २०१५
(१०१) अपन मन अपन धन- (१५३९), ३ फरवरी २०१५
(१०२) टुटली मरैया- (१९५७), ७ फरवरी २०१५
(१०३) हकार- (१९१७), ११ फरवरी २०१५
(१०४) दहेजुआ गाए- (१९२०), १५ फरवरी २०१५
(१०५) मेटाइत जिनगी- (२१३७), २० फरवरी २०१५
(१०६) धुर बुड़ि तोरा बजै ने अबै छौ!- (२००३), २३ फरवरी २०१५
(१०७) लेहाज- (१९२७), २६ फरवरी २०१५
(१०८) विचार हेरा गेल- (१९३०), १मार्च २०१५
(१०९) ओ दिन- (१७८७), ४मार्च २०१५
(११०) उरीन- (३२४४) ८मार्च २०१५

2. श्री बेचन ठाकुरजीक रचना संसार-

(१) बेटीक अपमान- (नाटक) पहिलसंस्करण : २०१०, कुल शब्द- १०७६९
(२) छीनरदेवी- (नाटक) पहिलसंस्करण : २०१०, कुल शब्द- २९९९
(३) अधिकार- (नाटक) पहिल संस्करण : २०१२, कुल शब्द- ४५०२
(४) बाप भेल पित्ती- (नाटक) पहिल संस्करण : २०१२, कुल शब्द- ८९५५
(५) बिसवासघात- (नाटक) पहिलसंस्करण : २०१३, कुल शब्द- २३४२८

(६) ऊँच-नीच- (नाटक) पहिल संस्करण : २०१३, कुल शब्द- २४८०२
सभ पोथी मिला क' ७५४५५

3. राजदेव मण्डलजीक रचना संसार-

(१) अम्बरा- (कविता संग्रह), पहिल संस्करण वर्ष- २००९

(१) ज्ञानक झण्डा, (२) झाँपल अस्तित्व, (३) रहब अहीं सभक संग, (४) नदीक माछ, (५) बाट-बटोही, (६) सीमा परक झूला, (७) चीड़ीक जाति, (८)बाढ़िक चित्र, (९) दिलक बोल, (१०) अहिंसाक वीर, (११) मनोवांछित चान, (१२) परेमक अधिकार, (१३) मधुर गीत, (१४)सिर बिहून धड़, (१५) हथियारक सभा, (१६) घातक गंध, (१७) कुहेसक परदा, (१८)युग्मक फाग-पत्री, (१९) आगमन, (२०) जाति, (२१) बदलैत बाट, (२२) भितरिया जानवर, (२३) बाउल परक माछ, (२४) कांध परक मुरदा, (२५)मिझाइत दीया, (२६) हित-अहित,

(२७) प्रयास, (२८) आॅफिसक भूत, (२९) कठुआएलरूप, (३०) सुनगैत चिनगी, (३१) अहाँक अगवानीमे, (३२) महत्वाकांक्षाक गाम, (३३) एकटा चुप्पी, (३४) छड़पटाइत लहाश, (३५) रूसल धीया, (३६) बसातक धुजिनी, (३७) अदृश्य आगि, (३८) तीन मित्रक गपशप, (३९) नव बिहार, (४०) मुँहझप्पा, (४१) टूटल बन्हन, (४२) अढ़ाइ हाथक सांगि, (४३) कानैत अधिकार, (४४) आबद्ध, (४५) हम पुन: उठब एकबेर, (४६) दरपनक स्थिति, (४७) मिलन बाध, (४८) शिष्ट-अशिष्ट, (४९) ढहैत महल, (५०) अश्रुधार, (५१) नाचैत भूत, (५२) माय, (५३) यत्न, (५४) बघनखा, (५५) रंगक खोज, (५६) कंटकमय नवनीत, (५७) लाज, (५८) मिलन-बिछुड़न, (५९) परिवारक गाछ, (६०) त्रिशंकु, (६१) अनमोल जिनगी, (६२) मुनियाँक चिन्ता, (६३) कथीक गाछ, (६४) नेहाइपर लेखनी, (६५) झगड़लगौना पिशाच, (६६) गाछक बलिदान, (६७) हेराएल, (६८) गाछक हिस्सा, (६९) लाल ज्योति, (७०) बीखक घैल, (७१) पत्रोत्तर, (७२) अन्हारक खेल, (७३) नाचक बिखाद, (७४) आँखिक प्रतीक्षा।

(२) बसुंधरा- (कविता संग्रह), पहिल संस्करण- २०१३, कुल शब्द= ७७७४

अकाल- ३५५, (२) घरक आँखि- ८८, (३) अभ्यास- ५७, (४) महफा आ अरथी- ७२, (५) काटैत बीआ- ६६, (६) कानैत हँसी- १२६, (७) कनहेपर भाॆलबा- १६१, (८) कुहेस- १०५, (९) जानवरक बोली- ९६, (१०) उपयोग- ८७, (११) द्वन्द- १०५, (१२) छीपपर दीप- ५६, (१३) इमानदारी- ८६, (१४) बीआ- ७२, (१५) बलात् ८४, (१६) झूठक गियान- ८०, (१७) जेहने अहाँ तेहने हम- ६८, (१८) चिर प्रतीक्षा- ९९, (१९) हाथ- ६४, (२०) ठक- ७८, (२१) शिशुक स्वर- ७६, (२२) बोलती बन्न- ९५, (२३) दिलक आवाज- ६५, (२४) नेंगरा मजदूर- १३८, (२५) मनक दुआर- ८५, (२६) छाँहक रूप- ८०, (२७) बाबा केर लाठी- ११४, (२८) गीतक पूर्व संगीत- ७५, (२९) दगध सुर- ६५, (३०) इजोतक वस्त्र- ६२, (३१) मनुखदेवा- १०३, (३२) अप्पन हारि- ६०, (३३) स्वरक चेन्ह- ७५, (३४) सुखक भाय- ५५, (३५) हएत अगारी- ८९, (३६) रूचिगर- ९६, (३७) बजैत एकान्त– ८४, (३८) लटकल छी- ८८, (३९) बटमारिक गीत- ११५, (४०) गन्तव्यक भरम- ४८, (४१) दरदक भोर- ४२, (४२) केहेन मांग- ७०, (४३) पसरैत प्रशाखा- ५४, (४४) खसैत बुन्द- ८४, (४५) उलहन- १०७, (४६) आपसी- ६०, (४७) मोँछक लड़ाइ- १६७, (४८) टूटा धारा- ७९, (४९) चोरि- ७४, (५०) परिस्थिति- ९२, (५१) डोलनी डाइन-१- १७२, (५२) डोलनी डाइन-२- १४५, (५३) डोलनी डाइन-३- ७३, (५४) डोलनी डाइन-४- १४१, (५५) डोलनी डाइन-५- १२०, (५६) डोलनी डाइन-६- ३००, (५७) डोलनी डाइन-७- २१६, (५८) उड़ैत अकास- ६९, (५९) स्वरमे बास- १०२, (६०) डायरीक पन्ना-१- ६७, (६१) डायरीक पन्ना-२- ६१, (६२) डायरीक पन्ना-३- ५३, (६३) डायरीक पन्ना-४- ८४, (६४) डायरीक पन्ना-५- ६३, (६५) डायरीक पन्ना-६- ७३, (६६) डायरीक पन्ना-७- ४३, (६७) डायरीक पन्ना-८- ८४, (६८) डायरीक पन्ना-९- ७२, (६९) केतए छी हम- ७३, (७०) अजगर- ७४, (७१) अकासमे ठाढ़ पंछी- ६७, (७२) बीआ केर पता- ५६, (७३) कटैत गाछ- ८३, (७४) नमन- ४७, (७५) असल रूप- ७२, (७६) मनक मोड़- ६५, (७७) कामना- १८०, (७८) देश गीत- ५४, (७९) जुलुसक पछुआ- ११९, (८०) कनेक सुनू- ५३, (८१) असल मरद- ४५, (८२) पोसा परबा- ८७, (८३) हेलवार- ४९, (८४) कलीक प्रश्न- ४२, (८५) जय हे किसान- १६८

(२) हमर टोल- (उपन्यास), पहिल संस्करण- २०१३, कुल शब्द= १८४३३
(३) जाल- (पटकथा), पहिल संस्करण : २०१४, शब्द= ७, ४५५
(४) लाज- (एकांकी-नाटक), पहिल संस्करण : २०१४, शब्द संख्या= २८४०
(५) पंचैती- (लघु पटकथा), पहिल संस्करण : २०१३, शब्द संख्या= १५३५

4. श्री नन्द विलास रायजीक रचना संसार-

(१) 'सखारी-पेटारी' (लघु कथा संग्रह) पहिल संस्करण- २०१३, कुल शब्द=– २८४५९

(१) असल बेटा- १९५८, (२) जजाति १४५१, (३) पोलिथिन- ११८२, (४) निवास प्रमाणपत्र- १९६४, (५) निपुतराहा- ११०५, (६) महाजन- २२३७, (७) गोबरबीछनी- १४२२, (८)पोषाहारक गहुम- २१८२, (९) सभसँ पैघ पूजा- ७५८, (१०) भौँट- ४८०, (११) सोइरी छछारब- १५३७, (१२) ननदि-भौजाइ- २११३, (१३) बाबाधाम- १०६४, (१४) चौड़चनक दही- १११४, (१५) जाति-पाति- १५३५, (१६) विवेकक विवेक- १४४२, (१७) वाड़ीक पटुआ- ७८९, (१८) डाक्टर बेटा- १२२६, (१९) प्रोफेसर बेटा- ८४६, (२०) सोच- ५८५, (२१)डिब्बाबला दूध- ७५९, (२२) ऐना- ७१०.

5. श्री कपिलेश्वर राउतजीक रचना संसार-

(१) उलहन- (लघु/ िवहनि कथा संग्रह), पहिल संस्करण- २०१३, कुल शब्द संख्या= १२,८३६

(१) वंश- ६०२, () उलहन- ९०६, (२) थरथरी- ११५५, (३) भोग- ७४९, (४)कुमारि भोजन- १२४२, (५) कीर्तन आ सम्मेलन- ९२४, (६) मूर्दा- १३१९, (७) सतमाए- ७९६, (८) तकरीर- १११०, (९) पान- १६४२, (१०) मई दिवस- ७९५, (११) भूख- ५९१, (१२) बेथा- १२७२, (१३) किसानक पूजी- ५३७, (१४) छूआ-छूत- २०८, (१५) कलियुगक निर्णए- १८८.

6. श्री रामदेव प्रसाद मण्डल 'झारूदार'जीक रचना संसार-

(१) 'हमरा बिनु जगत सुन्ना छै' (गीत एवं झारू संग्रह) पहिल संस्करण- २०१३, कुल शब्द= ९८५८

(१) प्रार्थना- ५९, (२) झण्डा गीत- २५२, (३) अपन देश- २३०, (४) मानव मरै छै- ११०, (५) सतमे सदा अटल रहू बाबू- १०२, (६) हिन्दु-मुस्लिम- ७२, (७) नेता अफसर- १०४, (८)परबस जिबै छै- ११३, (९) देखियौ यौ- ८९, (१०) मेल एकता- ९०, (११)हम मिथलानी- ९९, (१२) जागू बाबू १०८, (१३) सभपर छै- ९७, (१४) लोभी लालची- ९८, (१५) मिथिला रहि- १०९, (१६) देखियौ यौ सभ- ९२, (१७) पढ़ै लिख कऽ– ९६, (१८) केमरासँ- ७७, (१९) मिल कऽ सजेबै- ८९, (२०) लोभी लालची- ३१४, (२१) दया धरम- ३०३, (२२) बाबू करम- १०९, (२३) ऊँचा करबै १४२, (२४) बौआ पाँच- ११०, (२५) कोसी-बलान- ८२, (२६)हम्मर मिथिला- ९२, (२७) कत्ते सूतब- ९४, (२८) तुमलोग कहाँ १३३, (२९) नेता अफसर- ९१, (३०) कनी देखही- ९९, (३१)मूर्तिमे भगवान- ९७, (३२) सेर भेल छोटकी- ११९, (३३) शिक्षा एलैए- ९०, (३४) जिनगी दुबर- १००, (३५) हिन्दु-मुस्लिम- ८७, (३६) समैसँ पहिले- ९७, (३७) की अरजबै- १०१, (३८) बेटी पढ़िकऽ- ९५, (३९) कनी देखही- ९६, (४०) सेवा दइ छै- १०२, (४१) केते कहबौ- ९४, (४२)ज्ञान बिनु- ९९, (४३) सभ ठकै छै- ९८, (४४) सभ कोइ मिलि- ८८, (४५) केना जीबै छै- १०९, (४६) हे रसुआरक बाबा- ९०, (४७) बाबू गाछ लगाबू९२, (४८) हमर बिहार- ७८, (४९) पढ़िकऽ देखियौ- ९०, (५०) देखियो यौ सभ- ९०, (५१) धरम करैत जे हुअए हानि- ९०, (५२) कर भला तब हो भला- ९८, (५३)हम नै छी अहाँ योग यौ पाहुन- ७७, (५४) बाबू समए कम छै- १०३, (५५) बहिना आब नै रहतै पाछाँ- ९७, (५६) बनिजीबै हम सभ भैयारी यौ- ७५, (५७) केकरोसँ नै रहबै पाछाँ ९६, (५८) यार दिलदार यार- १३८, (५९) छूक-छूक-छूक-छूक रेल किरासी- ९०, (६०) कतेक कहब हे बाबा वनजरैया- ९२, (६१) सुनह हौ बाबू सुनह हौ भैया- १०१, (६२) आँगनबाड़ी खेत खेसारी- ९०, (६३) सुनह हौ बाबू सुनह हौ भैया- ९२, (६४) अन्धविश्वास अज्ञान कुरीति- ८९, (६५) एबरी हमरा जीताबह हौ बाबू- ९७, (६६)

झुमका देबौ बाली देबौ- ९१, (६७) कनी देखही गै दाइ- ९९, (६८)पढ़ै छेलिऐ लिखै छेलिऐ- १०६, (६९) २४ गोट झारू मानवतासँ सम्बन्धित- कुल मिला- ४२५, (७०) २८ गोट झारू ज्ञान शीर्षकसँ सम्बन्धित- ४९२, (७१) २७ गोट झारू कर्मसँ सम्बन्धित- ४९५, (७२) ३७ गोट झारू रामायणसँ सम्बन्धित- ६५५ (७३) तियागपर लिखल १४ गोट झारू- २७०, (७४) १४ गोट पुलिस महा झारू- २३३.

7. श्री राम िवलास साहुजीक रचना संसार-

(१) रथक चक्का उलैट चलै बाट, पहिल संस्कारण- २०१३, कविताक कुल शब्द- ८२२७ आ हाइकू:/टनकाक कुल शब्द= ९४६, दुनू मिला कऽ= ९१७३

(१) महगाइ- ११७, (२) कोइली कुहकै आमक डारि- ८४, (३) प्रीतक गीत- ७६, (४) गंजन- ६७, (५) कर्मक फल- ९६, (६) प्रेमक बान्ह- १२६, (७) जीबैत चलू- ९०, (८) बिसरल गीत- ५५, (९) जड़ैत दीप- ९०, (१०) गामक नारी- ५६, (११) पियासल धरती- १०९, (१२) चि◌ंता-चिता- ८५, (१३) मातृभूमि- ८०, (१४) मिथिलाक अभिनंदन- ९५, (१५) ई की केलौं अहाँ- १००, (१६) केकरा संग खेलब होरी- १०५, (१७) गाए-माए- १३९, (१८) खेतिहरक जिनगी- १५२, (१९) ज्ञानक दीप- ८१, (२०) दुखाएल गंगा- १५५, (२१) बेंगक बरियाती- १०५, (२२) बलानक बाढ़ि- १४०, (२३) पानिक बून्न- ६९, (२४) हराएल भगवान- ९७, (२४) जीबैले १०१, (२५) चैताबर गीत- ६५, (२६) चैती गीत- ६७, (२७)प्रेमक भूखल- १५०, (२८) मरूआक मान- ९९, (२९) अरमान- ८३, (३०) भारत माता- १४६, (३१) परदेशी- ६८, (३२)मोनक बात की कहब- ९४, (३३) धनरोपनी- १२८, (३४) लफंगा- ८३, (३५) बेरोजगारी- ६७, (३६)रूपैआक ढेरी- ८७, (३७) भ्रष्टाचारी- ९२, (३८) आएल वसन्त- ६५, (३९) अप्पन-पराया- ९४, (४०) बाट बटोही- ९४, (४१) हाटक चाउर बाटक पानि७९, (४२) ज्ञान बाँटैत चलू- ७७, (४३) प्रेम आकि पैसा- ६५, (४४) कालक पहरा- ११०, (४५) पियासल मन- ७९, (४६) दहेजक खेल- ६४, (४७) घर परदेश- १११, (४८)गहुमक कटनी-दौनी- १४०, (४९) बिआह की छी?- ३७, (५०) आजुक दिन- १४२, (५१) पुत्र कुपुत्र- १७९, (५२) कतेक दुख काटब हरि हे- १२२, (५३) बारहो मास- ११५, (५४) सड़क बीच नाला- १०५, (५५) आँखि रहितो आन्हर- १७१, (५६) भाग भरोसे १२३, (५७) फूल-पत्ता- ७६, (५८) भदबा- १२२, (५९) बाबा बले फौदारी- १५०, (६०) केकरा ले कानब- ९२, (६१)परिवर्त्तन- ८२, (६२) माइयक ममता ८३, (६३) परदेशिया पाहुन- १७०, (६४) धरतीक सुख- ९१, (६५) सौनक रा◌ित- ९३, (६६)लोभी भोम्हरा- १३७, (६७) भोरक क्षण- ७८, (६८) गरीबक मान- ७४, (६९) माए- ७२, (७०) हमर गाम घर- १९३, (७१) अगिलगी- १२८, (७१) काली मैयाक गीत- ९६, (७२) हमर बिखरल समाज- ६३, (७३) ि◌चड़ै चुनमुन्नी- ८६, (७४) माइक लाल- ८४, (७५) के गरीब?- ९०, (७६) नैनाक खेल- ५६, (७७)कोइली कूहकै आमक डारि- ८२, (७८) नींदिया बैरी भेल पहुना- १२५, (७९) पागल प्रेमी- ८७, (८०) कोसीमे समाएल जिनगी- १४७, (८१) हइकू/ टनका- ९४६.

8. श्रीमती मुन्नी कामतजीक रचना संसार-

(१) सूखलमन तरसल आँखि- (कविता एवं गीत संग्रह), पहिल संस्करण- २०१४, कुल शब्द= ८२९९

(१) समरपित होइत बेटी- ८६, (२)नव जिवनक निर्माण- १०४, (३) घर-घर बढ़ल अतियाचार- ८७, (४) संकल्प- ७४, (५) दहेजक बिहाड़ि- ४६५ (६) एहेन समाज- ८०, (७) सुरज-दादा- ९९, (८) सयान भेल हमर खेल- ७९, (८) महगाइक खेल- ६३, (९)सुखद अछि ई मिलाप- ७०, (१०) सान हमर मिथिला- ११९, (११)

विरह- १३६, (१२) देशक राजनीति ११९, (१३) विदेशी चालि- ७८, (१४) किए बेटी बनेलहक विधाता! ६०, (१५) दुनियाँ तबाह भऽ गेल- १०७, (१६) अनहार भेल जाइए देश अपन- ६९, (१७)बाबू हम सिपाहि बनबैए- ५४, (१८) आगमन अहाँक- ७९, (१९) हरल जाइए जननि- ७४, (२०)कौआक दुलार- ८२, (२१) कोइस रहल छी जनमकेँ- ९०, (२२) गाम-घर- ४६, (२३) मलार- ५२, (२४) मुनगा- ५३, (२४)सगरे इजोत हमर मिथिलाक- ९३, (२६) अरकंचन- ६६, (२७) हमर मिथिला हमर परान- ७७, (२८) नारी- ७५, (२९) जट-जटिन- २८१, (३०) सूखल मन तरसल आँखि- ४७, (३१) मनुखक सौदा- ९३, (३२) अनमोल-बोल- ५२, (३३)घलाकक दुनियाँ- ९७, (३४) बून-बून बँचाबी हम- ५३, (३५)जिनगीक मरीचिका- ११५, (३६) तकैत जिनगी कूड़ाक ढेरमे- ७१, (३७) संकल्प- ९२, (३८) ठमकल शब्द- ९१, (३९) दहेजक बिहाड़ि- १०३, (४०)हेराएल हमर रूप- ७६, (४१) विदाइ- १६९, (४२) बेटी- ५०, (४३) दहेजक आगि १२४, (४४) ओइ पार- ६५, (४५) नेताजी- ८३, (४६) पहिल बरखा- ५०, (४७) किसान- ६२, (४८) समाजक बिडम्बना- ७२, (४९) दर्दक टिस- ५९, (५०) रोकू कोइ ऐ सैलाबकेँ- ९६, (५१) नोराएल आँखि- ६७, (५२) किए छी हम अछूत- ६६, (५३) भ्रष्टाचारक प्रसाद- ८३, (५४) तब हँसत तुलसी- १३२, (५५) शिल्पकार- ८२, (५६) यादि गामक- ४७, (५७) आसक किरण- ६४, (५८) नारीक पहचान- ८४, (५९) आजाद गजल- ६६, (६०) आजाद गजल- ६५, (६१) बौआ देखहक चांदकेँ- ६२, (६२) भोरक सनेस- ५८, (६३) बेटी-लहास- ९८, (६४) बालश्रम- ५६, (६५) फगुआ- ६७, (६६) आनहर कानुन- ४१, (६७)बुन्नक मोल- ८६, (६८) करी मिथिलासँ पहचान- ८६, (६९) करिझुमरी कोसी- ६८, (७०) नै लेब आब हम दहेज- ६२, (७१) मिथिलाक दादा- ५७, (७२) पाहुनक माछ- ६२, (७३) हमरा पागल कहैत अछि लोक- ६१, (७४) सगरे अनहार अछि- ७२, (७५) माएक रूदन- ८९, (७६) अपना दिस निहारू- ५६, (७७) मजबूर किसान- ६९, (७८) स्वच्छ समाज- ९५, (७९) माए एक चुटकी नुन दअ दे- ७०, (८०) बेटी- ८१, (८१) कारी-बजार- ७३, (८२) शब्दक खेल- ८९, (८३) माए बता तूँ एगो बात- ९०, (८४)अनहार घरमे हत्या- ७२, (८५) बेटी- ११७, (८६) भेल पुरा आस- ५७, (८७) भाइक सिनेह- ८८, (८८) अलहर मेघ- ४१, (८९)सिया तोरे कारण- ९३, (९०) ठिठुराबैत जाड़- ९३, (९१) बंदिश- ७५, (९२) पैसासँ बिआह- १००, (९३) काँच बाँस जकाँ लचपच उमरिया- ५४, (९४) मनक वेदना- ६२, (९५) शरहद- १२८, (९६) जतरा- २९, (९७) अंकक मेल- ७८, (९८) बाढ़ि १०३.

9. श्री उमेश पासवानजीक रचना संसार-

(१) वर्णित रस- (कविता संग्रह) पहिल संस्करण- २०१०, कुल शब्द= ७२५५

(१) कागज- ७१, (२) समाज- ५६, (३) रावण-कंश- ९८, (४) भरल चैल- ७०, (५) कलजुग- ७८, (६) उमर-अवस्था-मन- ८७, (७) पियासल- ८०, (८) हत्या- ६१, (९) फाटल भविष्य- ६९, (१०) गेलहे घर छी- १४८, (११) पलटन लाल- ६७, (१२) बाढ़ि- ५२, (१३) डेग डेगपर खतरा- ६१, (१४) कपुत- ६५, (१५) आशा- ६१, (१६) गामक चौअन्नियाँ- ८०, (१७) नेताजी नमस्कार- १३१, (१८) सतहिया- ८३, (१९) (१९)दलिदर- ७६, (२०) पोसिया- ७८, (२१) मैना- १०८, (२२) माछक तीमन- ९२, (२३) कवाड़ी- १६२, (२४) बरखाक मौसम- ७३, (२५) मिथिलाक नारी- ६५, (२६) रगड़ा- १८७, (२७) नेता- १४३, (२८) मनक बिसवास- ६९, (२९) केहेन विधना- ५८, (३०) अपनेकेँ की कही- ७०, (३१) फुसि-फट्टका- ७९, (३२) हक्किकत- ७६, (३३) पावन भूमि- ११३, (३४) एना नै कर- ७८, (३५) भुतहा मोड़- ६१, (३६) हमरो लेने चलू१००, (३७) अथाह- ९३, (३८) गारल मुर्दा- ६९, (३९) हाल-चाल- ११९, (४०) पथ ई केहेन- ८०, (४१)गृहस्थ सबहक हाल- ११०, (४२) मिथिला महान- ९५, (४३) हेराएल- ७६, (४४)दुभर- ७६, (४५) विडम्वना- ५९, (४६) दियादी बाँट- ८०, (४७)पुर्णिमा- ६८, (४८) रिश्ता- ७२, (४९) अज्ञानी- ७४, (५०) कनी देखू ८८, (५१) मास्टरक बहाली- ११५, (५२) फागुनमे ५५, (५३) श्यामल मोहे- ७४, (५४) जीतक झंडा- ७४, (५५) युवा- ९२, (५६) हम युवा- १०५, (५७)प्रथिक- ८०, (५८) हमहूँ कनै छी- ७८, (५९) एना किएक- ८८, (६०) जितिया- ७९, (६१) डगर- ७६, (६२)रमल छी-

६४, (६३) संत- ७१, (६४) बन्हन- ७१, (६५) संघर्ष जारी रखब- १०४, (६६) भरदुतिया- ६९, (६७) गवहा संक्राति- ८२, (६८) क्मिती भोँट- १२७, (६९) असली-नकली- ८०, (७०) कोसी- ८७, (७१)मच्छर रानी- ७२, (७२) हरिजन- ५८, (७३) हम छी मैथिली- ८१, (७४) बौकी- ६५, (७५) चौके-चौक- ६१, (७६) ठेँस- ६९, (७७) पेटक खातिर- ९१, (७८) जगदीश बाबू ९८, (७९) उजरल घर- ६९, (८०) जीवनक नैया- ६३, (८१) डर- ८०, (८२) नटीन- ११३, (८३) बताह- ६८, (८४)ज्ञानक नव ज्योति- ७३, (८५) केहेन चालि- ८०, (८६) बसन्त- ९९, (८७) योद्धा- ८२

10. श्री ओम प्रकाश झाजीक रचना संसार-

(१) कियो बूझि नै सकल हमरा (गजल, रूबाइ एवं कता संग्रह) पहिल संस्करण : २०१२. कुल शब्द=– ६,८७८

(१) गजल- भीख नै हमरा अपन अधिकार चाही- ५९, (२) गजल- मदीनाक मालिक अहाँ- ६०, (३) गजल- करबा नै मजूरी माँ- ६३, (४) गजल-कहू की कियो बूझि- ५८, (५) गजल- तकियो कनी कानैए- ५५, (६) गजल- नैनक छुरी नै चलाबू- ५७, (७) गजल- मोनक आस सदिखन- ६५, (८) गजल- जीनाइ भेलै महँग- ७१, (९) गजल- धारक कात रहितो पियासल- ८४, (१०) गजल- करेज घँसैसँ साजक- ६९, (११) गजल- कहैए राति सुनि लिअ- ११०, (१२) गजल-हमर मुस्कीक तर झाँपल- १०२, (१३) गजल- कतौ बैसारमे जँ अहाँक- ६३, (१४) गजल- किछ हमर मोन आइ- ६९, (१५) गजल- मधुर साँझक इ बाट तकैत- १०५, (१६) गजल- चलल बाण एहन इ नैनक- ७८, (१७) गजल- अहाँकेँ हमर इ करेज- ६३, (१८) गजल-अन्हारक की सुख बुझथिन इ- १०५, (१९) गजल- कुशल आबि देख लिअ- ९८, (२०) गजल- कहि कऽ नै मोनक हम- ९५, (२१) गजल- टूटि-टूटि कऽ हम- ६५, (२२) गजल- जन-गणक सेवक भेल- ६७, (२३) गजल-आबि गेलै बहुत- ६८, (२४) गजल- मुस्कीसँ झाँपि रखने छी- ६१, (२५) गजल- भूखल पेटक गणितमे- ८१ (२६) गजल- कखनो छूबि दियौ हमरो- ८२, (२७) गजल- हम सभ पूछी अहाँसँ- ८९, (२८) गजल-जिनगीक गीत अहाँ- ६७, (२९) गजल- पेटक आगिमिझबै लेल- ७९, (३०) गजल- चमकल मुख अहाँक- ६५, (३१) गजल- करेजमे काढ़ल छै- ८१, (३२) गजल- केहन मीठ विरहमे- ७७, (३३) गजल- नबका बर्खक नब उमंग- ६१, (३४) गजल- मोनक मोनसँ चलिकऽ- ७१, (३५) गजल- टुकडी-टुकडीमे- ६०, (३६) गजल- आकाश बड्ड छै शांत- ७८, (३७) गजल- बनि जेतै घर एखन- ८७, (३८) गजल- डूबैत रहलौं हरदम- ९९, (३९) गजल- सदिखन स्वार्थक- ७५, (४०) गजल- ओकर गाँधी-टोपी- ९६, (४१) गजल- अन्हरिया रातिमे- ७९, (४२) गजल- सभ कहैए पंचतत्वमे- ८२, (४३) गजल- कोनो खसैतकेँ- ७५, (४४) गजल- अपने खोजमे अपन- ७३, (४५) गजल-हेतै की आब- ५७, (४६) गजल- हम तँ केने बहाना- ९०, (४७) गजल- देखि हुनकर असल रंग- ७७, (४८) गजल- हमरासँ की नै- ६०, (४९) गजल- आउ मजा लियऽ- ६७, (५०) गजल- वाह कतेक मजा- ६५, (५१) गजल- पता नै कोन आगिमे- ८७, (५२) गजल- ऐना तँ सदिखन- ६६, (५३) आइ-काल्हि सदिखन- ९१, (५४) नित पूछै छै- ५७, (५५)एकटा खिस्सा बनि- ८१, (५६) हमर नजरिमे पैसि- ९३, (५७) भेटलै जखने नबका- ८७, (५८)कतौ छै रौदी प्रचंड- ८२, (५९) पिया जुनि करू- ६४, (६०) ओ हमरा बिसरि गेल- ५८, (६१) घोघ तरसँ चान- ८६, (६२) कर जोड़ैछी सरकार- ६९, (६३) मिझबै लेल पेटक आगि- ८२, (६४)हमर हृदयक कुंज-गलीमे- ९७, (६५) बालुक भीत बनल- ७३, (६६) किया एना ई भऽ गेल छै- ७५, (६७) धरल रहि जैत होशियारी- ८३, (६८) आगि पजरलै जखन- ७५, (६९)मुस्की अहाँक हमर- ६३, (७०) आउ मिल मोनक दीप जराबी- ७६, (७१) पिया हमर रूसल- ७८, (७२) धार नहि होइए मुक्त- ७६, (७३) रूसल छै कपार- ६१, (७४) जखन मोनमे प्रेमक फूटत- ९२, (७५) ताकलौं एना किया- ७१, (७६) आगि लागल मोनक- ६८, (७७) मोनक आस आब- ४४, (७८) थानकेँ नापबाक फेरमे- ६२, (७९) हवामे अहाँ लात- ६७, (८०) हम कातसँ सदिखन- ६१, (८१) टूटल मोनकेँ हम- ६२, (८२) कियो किछ नै सुझै- ६९, (८३) डेग दैत पूरब- ६७, (८४) माटिक बासनमे भय- ९४, (८५)मूर्ख दिवस पर पता चलल- ९८, (८६) बाहरक शत्रु हारि गेल-

९५, (८७) चढ़ल फागुन हमर- ७६, (८८)रूबाइ- १- २९, (८९) रूबाइ- २- ३६, (९०) रूबाइ- ३- ३५, (९१) रूबाइ- ४- ३५, (९२) रूबाइ- ५- ३८, (९३) रूबाइ- ६- ४०, (९४) रूबाइ- ७- ३६, (९५) रूबाइ- ८- २४, (९६) कता- १- २५, (९७) कता- २- ३१.

उपर्युक्त सांख्यिकी विवरण मैथिली साहित्यक शोधार्थी लेल अनुपन उपहार सिद्ध हुहए तही आशाक संग...।

सम्पर्क, परिचय-

जन्म तिथि : 31 दिसम्बर 1980

पत्रालय : गाम+पोस्ट- बेरमा, भाया- तमुरिया, जिला- मधुबनी, पिन- 847410, बिहार।

सम्प्रति : गाम+पोस्ट- िनर्मली, वार्ड न. 06, पिन- 847452, जिला- सुपौल।

शिक्षा : एम.ए. (मैथिली), बी.आर.अम्बेदकर बिहार विश्व विद्यालय, मुजफ्फरपुर।

प्रकाशित पोथी : निश्तुकी (पद्य संग्रह), मिथिलाक संस्कार गीत, विध-बेवहार गीत आ गीतनाद (मिथिलाक सभ जाति-धर्मक लोकमे प्रयुक्त मैथिली लोकगीतक पहिल संकलन), मिथिलाक जीव-जन्तु/ वनस्पति और जिनगी'क डिजिटल सचित्र ऑनलाइन संस्करण, मिथिलाक सभ जाति-धर्मक लोकमे प्रयुक्त लोकगीतक रेकार्डेड ऑनलाइन ऑडियो और वीडियो डिजिटल संकलन।

अप्रकाशित कृति- भकइजोत पद्य संग्रह अप्रकाशित।

सह सम्पादक : विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका एवं विदेह-सदेह पत्रिका- ISSN 2229-547X VIDEHA (www.videha.co.in)

योगदान : विकीपीडियामे मैथिलीक स्थानीयकीकरणमे योगदान, मैथिली भाषाक मानकीकरणमे योगदान। दर्जनो गोष्ठी/संगोष्ठी/परिचर्चा (मैथिली)क आयोजन, दर्जनो पोथी प्रदर्शनी (मैथिली), विभिन्न लेखकक सत्तरिसँ ऊपर मैथिली-पोथीक अवैतनिक टंकन (Typeset)।

ई-पत्र : umeshberma@gmail.com

मोबाइल न. : 8539043668, 9931654742

डॉ॰ शशिधर कुमर “विदेह”, ग्राम – रुचौल, पो॰ – मकरमपुर, जिला – दरभंगा, पिन – ८४७२३४, मो॰ +९१-८२९२९२०३२१

माघ

सिहकैत बसात, ठिठुरैत माघ ।
ओसक टप् - टप्, कानए अकास ।।

सभ आढ़ि - धूर पर उगल घास ।
ओसेँ भीजल, पिछड़ैत लात ।।

ओसेँ भीजल अछि गाछ - पात ।
टप् - टप् भू पर पानिक प्रपात ।।

पर ओस चाटि की मेटए प्यास ?

एकटा अछार एखनो छै आश ।।

पछता गहूम केर हो ने नाश ।

तेँ दमकलसँ अछि पटैत चास ।।

नाला - पौती अछि बितल बात ।

प्लास्टिकक पाइप संबल उसास ।।

अजगर सनि पसरल बीच बाध ।

फक् फक् करैत दमकलक साथ ।।

गमछा - मफलर बन्हने गाँती ।

चद्दरि – सोएटर झँपने छाती ।।

निकलल – जकरा भोरे छै काज ।

काजक बदलामे नञि छै लाथ ।।

शीतलहरी पूसहु केर बाद ।

नञि जानि कते दिन रहत आब ।।

कनकनी एहेन कँपबैछ हाड़ ।

तइयो धड़फड़मे घटकराज ।।

एहनोमे धोएबा लेल पाप ।

जा रहल लोक दौगल प्रयाग ।।

फागुनक पानि

फागुनक पानि, अकालक पानि ।

तइयो लाभ आ किछु छी हानि ।।

गहूम पुष्ट, मज्जर मजगूत ।

मसुरीक छी सद्यः यमदूत ।।

धियापुता लए मजगर बात ।

इस्कूल बन्दी छै बरसात ।।

पुरिबा - पछबा बहए बसात ।

ठिठुराबै - कँपबै छै गात ।।

बीतल ठण्ढी पुनि घुरि गेल ।

सोएटर - कम्मल बाहर भेल ।।

मुरही कचड़ी झिल्ली चौप ।

चाहक चुस्की चौके - चौक ।।

गरम जिलेबी, लिट्टी बेस ।

गरम सिंघारा खेपे - खेप ।।

नहिञे गरजय - तरजय मेघ ।

टिप्-टिप्-टिप्-टिप् बरिसय मेघ ।।

बरसाती, छत्ता की भेल ?

छोड़ू ! एक दिनक छी खेल ।।

ओ कहलन्हि

ओ कहलन्हि, धुर की लिखै छी, बाउ ई सभ मैथिलीमे ।

छी किए एते माथ धुनइत, अहँ अनेरो मैथिलीमे ।।

ज्ञान ओ विज्ञान केर छी, बात ऊकरू मैथिलीमे ।

अहँ कलमकेँ क्लेश दै छी, लीखि ई सभ मैथिलीमे ।।

के बूझत आ की बूझत, के पढ़त ई सभ मैथिलीमे ?
जँ अपन कल्याण चाही, जुनि लिखू अहँ मैथिलीमे ।।

मान ओ सम्मान बिरलेकेँ, भेटैतछि मैथिलीमे ।
बजनिहारो नञि बुझैतछि, ओ बजैतछि मैथिलीमे ।।

राष्ट्रभाषामे लिखब तँऽ, नाम होयत देश भरिमे ।
आङ्ग्लभाषा जँ लिखी, चर्चा होयत सगरो जगतमे ।।

हाथ आओत बेस कैंचा, की भेटैतछि मैथिलीमे ?
मैथिली केर क्षेत्र सीमीत, के पढ़ैतछि मैथिलीमे ??

एक साँसेँ कहि सुनेला, बेस सभटा मैथिलीमे ।
हम कहल - संतुष्ट छी हम, लीखि सभटा मैथिलीमे ।।

राष्ट्रभाषा – आङ्ग्लभाषा - नीक सभ भाषा लगैए ।
मातृभाषा केर बिना पर, सुन्न सभ भाषा लगैए ।।

जे कहल से भल कहल, छी बेस ओ अपनेक नजरिमे ।

डऽर जञो रहितए समाठक, माथ ने रखितहुँ ऊखरिमे ।।

छी जनैत संस्कृत हम, अंग्रेजी आ हिन्दी मराठी ।
द्वेष नञि, पर मैथिलीक छी बात अलगे, अलग ठाठी ।।

याद करू नेनपन अपन, कहियो जखन थाकल रही ।
पाबि माएक कोर तत्क्षण, केहेन सुख भासल रही ।।

सएह सुख हमरा भेटैतछि, लीखि कऽ किछु मैथिलीमे ।
मानसिक सुख बड़ भेटैतछि, लीखि हमरा मैथिलीमे ।।

बात जँ मानी हमर तँऽ, आउएक बेर मैथिलीमे ।
मान - पैसा - मोह सभटा, बिसरि जाएब मैथिलीमे ।।

तीन टा कविता -विजयनाथ झा, पटना

1 . नव वर्षक एहि मधुर पहरमे

नव वर्षक एहि मधुर पहरमे

समुपस्थित सब बंधु-प्रवरमे

अभिनंदन वंदन प्रतिवेदित

हास होइ उल्लास नवोदित।

भाव-स्वभाव भरल हो समता

सुरभि-स्नेह पसरय घर-घरमे।

बाटि रहल छी हर्ष समुज्वल-

सभक लेल हम गाम-शहरमे।

----

2. हमर नाम परिचय सादर सुरत हम

हमर नाम परिचय सादर सुरत हम

नमन कोटिशः देश भारत भरत हम।

ललित रूप वैविध्य अछि गाम घर-घर

नगर सब समुन्नत क्रिया, कर्म, व्रत हम।

हमर सभ्यता अछि पुरातन, सनातन

प्रगतिशील तैयो विनयशील नत हम।

समर मे शौर्य सिद्धांत संबल

तिरंगा हमर प्राण प्रिय प्राणवत हम।

सदाचार, सुविचार, संयम,सुरक्षा

बहुरूपता लौह, पारद, रजत हम।

वैविध्य व्यंजक विविध रूप आखर

लालित्य- लावण्य उल्लासरत हम।

हमर स्वाभिमानक कथा लोमहर्षक

कएल त्याग उत्सर्ग वाणीवरद हम।

विविधता हमर धर्म परिचय सुरुचिगर

हमर लोक परिवार संयुक्त शत हम।

हमर आंकलन क' रहल आयदुनिया

समादृत सभक बीच संसारवत हम।

----

3. चेतना केर नव सृजनमे

चेतना केर नव सृजनमे भाव नूतन खास भरिऔ,

व्यंजना चमकम मनोहर भू-भवन आकास भरिऔ।

संग पुरबामे अहां केर अछि युवा पीढ़ी सबल,

मार्गदर्शन हो सुपथगर मिथक नव इतिहास भरिऔ।

शब्द श्रद्धांजलि समर्पण ओ करू जे प्रेरणा प्रद,

गूढ़ नहि गुण ग्राह्य सब लए भ्रम रहित विश्वास भरिऔ।

ज्ञानकेर देखल अनादर वेदना ई कष्ट भारी,

नहि उचित अवहेलना ई द्वेष नहि आवेश भरिऔ।

शक्तिपीठक मूल थाती ऋषि मुनिक ई यज्ञशाला,

शैव विद्यापति प्रकाशक चहुमुखी विन्यास भरिऔ।

शब्द बीथी मे नुकाएल कांट-कुश सब कात केने,

शरद सायं भोर फागुन लोक मे उल्लास भरिऔ।

पर्व ई गणतंत्र सम्मुख सांस्कृतिक अवदान धएने

पुरिऔ संबंध-दृढ़ता लोक हिट सायास भरिऔ।

चेतना केर नव सृजनमें भाव नूतन खास भरिऔ।

व्यंजना चकमक मनोहर भू-भवन आकास भरिऔ।

पर्व ई गणतंत्र सम्मुख सांस्कृतिक अवदान धएने,

पूरिऔ संबंध-दृढ़ता लोक हित सायास भरिऔ.

चेतना केर नन सृजनमे भाव नूतन खास भरिऔ,

व्यंजना चकमक मनोहर भू-भवन आकास भरिऔ.

लघु कथा-

भोला

:: ललन कुमार कामत

आम तरहसँ देखल जाइए जे सतमाक्ष खिधांश जोर-साेरसँ लोग करैए। अगर कोनो बच्चाकेँ सतमाए रहैए तँ ओकरा लोकक सहानुभुति रहैत अछि। मुदा कोनो सोतेला बापकजिकिर केतौ होइत नै देखल जाइए। जखनि कि भेद-भाव दुनूठाम होइत अछि। भाेला अपन माए दुखनीक दोसर बिआहमे पछिलगुआ बनि आएल रहए। करम बुड़ल छेलनि दुखनीकेँ जे बिआहक दसे दिनक पछातिबिअहुआ घरबलाक देहान्त हेजाक बेमारीसँ भऽ गेल छल। पतिक गुजरलासँ दुखनीक नाता ओइ घरसँ टुटि गेल। मुदा आशाक किरण नअ मास अनहरिया बीतला पछाति भोलाक जनम भेलासँ फेरि चमकि उठल। दुखनीकेँ लागल जेना बेटाक जनमसँ बिअहुआ घर चिकरि कऽ सोर पाड़लकनि मुदा ईहो इजोत गहनलगुआ भऽ गेल, चानपर दाग लगि गेल। सोसराक लोक दुखनीकेँ स्वीकार नै केलक, कियो कुलच्छनी तँ कियो कुलनासनी कहैत सदाक लेल ठाेकर मारि देलक। तइ दिनमे समाज आकि विज्ञान ओते प्रगति नै केने छल जे डी.एन.ए आकि आरो जाँचसँ साबित करितै जे भोला दुखनीक जाइज सन्तान छी।

समैक पहिया नाचैत गेल। दुखनी एकटा बेटारूपी धनसँ सबुर केने जीनगीक सुख-दुखसँ तालमेल बैसबैत पाँच बरख काटि लेली। आब टोलामोहल्ला आ समाजक लोक सभ दुखनीकेँ दोसर बिआहक गप-सप करए लगल। होइत-होइत खुर्शेला गामक मोहन दाससँ चुमौन सम्पन्न भेल, जेकर एकटा बेटी सोसरा बसै छेली आ एगो बेटा-पुतोहु भीन भऽ कऽ रहै छल। मोहनाक थोरबहुत खेत आ चारिटा भैंस रहनि जेकर दूध बेचि गुजर-बसर करै छला। चुमौन भेलासँ दुखनी-मोहनाक जीवन हरिअरी तँ घुमि आएल मुदा भोला जे पिताक खतिर जनमसँ बेलल्ला छल, ओकरा पिताक सुख नसीब नै भऽ रहल छेलैजे मोहनासँ भेटबाक चाही।

भोलाकेँ बालपनमे पिता भेटल, मुदा ऐ अबोध नेनाक जरूरतसँ हिनकर सतबाप साफ कऽ अनभिग छथिन। मोहनाक चुमौन करैत धरि दूटा कमौआ प्राणी घर आएल, दुखनी पत्नी बनि घर-आँगनक काम-काज सम्हारली आ भोला पोसल-पालल बेटा रूपमे भैंसक चरबाहि आ घासो भूसामे लगाैल गेल। दुखनीक इच्छा छेलनि जे भोलाकेँ पढाबी-लिखाबी, तइ बास्ते गामक स्कूलमे नाओं लिखा देली। मुदा मोहनाक इच्छा नै छेलनि जे भोलाकेँ पढाबी। हिनक खिसियाएल रबैया भोलाक प्रति देखि दुखनीक सस-बस नै चलि सकल। ऐ खातिर बेर-बेर भोलाकेँ डाँट-फटकार मोहनासँ पड़ैत रहै। दुखनीकेँ तरे-तर टुसकेलापर भोला कहियो-काल नुकाछिपा कऽ स्कूल जाइत छल मुदा ई बेसी दिन नै चलि सकल। भोला एकदिन स्कूलसँ अबिते धरि मोहनाक तामसपर चढ़ि गेल। मोहना तमसाएलदाँत पिसैत हूरकैत बजला-

"बड़ नबाबक नातिछिही! केतौ बैस कऽ बाप-संगे कौड़ी खेलैत हेतही आ कहै छीही पढ़ैले गेल छेलिएॆ! मरि किए नै गेलेँ ओतै? जब घास-ले जाइ छिही तँ तोरा घासे नै मिलै छौ। कहबी खुरपी भोँथ भऽ गेलै तँ बेँटे ढील्ला भऽ गेलै। पचासटा बहन्ना बनबै छँह। हट नजरिपर सँ झलमुहाँ!"

पाइरक चप्पल निकालि कऽ झट-झट सिन पीठपर बरसाए देलखिन। भोला धम्म सिन ओतै बैसि गेल आ छट-पटाइत बोमी पाड़ि कानए लगल। मोहनाक अपन बेटा नै रहनि तँए ममत नै, मुदा माता कुमाता नै भऽ सकैए, दुखनी दौगल एली आ भोलाकेँउठा-पुठा कऽ पजिऔने अँगना लऽ गेली।

पुरुष प्रधान समाजमे स्त्री शब्द केतेक असुरक्षित होइत अछि से दुखनीक हालतसँ बूझल जाए सकैए। स्त्रीकेँ अपन अर्धाग्नी बनेलोपर हुनकर मति मोहि कऽ पुरुख अपना अनुकूल बना लैत अछि। रसे-रसे धरक वातावरण बदलैत गेल आ मोहनाक आकर्षण दुखनीपरसँ घटैत गेल। धरक काम-कजक अलाबे माल-जाल आ खेतीओ-पथारी दुखनीक माथपर बजरि गेल। मोहना भिनसरे भैंस दूहि, दूधक डोल बजार लेने जाइए, अनुमण्डलक पजरेमे दुर्गा दासक होटल अछि, जइमे दूधक उठौना लगल अछि, एतए एला पछाति गप-सप्पा संगे गाजाक लत सेहो फुड़बैत एक्केबेर दुपरियामे होइत घर अबै छथि।

होटलक मालिक दुर्गा दास बेदरूकिया नाॆकरक खोजमे रहथि जेकर जिकिर ओ मोहनासँ केलखिन-

"आठ-दस बर्खक बेदरा काज करैबला गाममे जँ भेटत तँ नने अबिहऽ तों तँ जानिते छहक होटलमे खेनाइ-पीनाइक कोनो कमी नहियेँरहै छै। लूइरो-बूइध सीखतै आ पोसलो-पाललो तँ जेबेकरतै?"

मोहनो भरोस दैतकहलखिन-

"अच्छा देखै छिऐ, नजरिपर एतै तँ नेने एबऽ।"

घर एलापर बेरमे मोहनक खियाल बेदरूकिया नोकरपर गेल, मने-मन सोचैत एला जे केकरा कहक चाही ऐ वास्ते? एकाएक मोहनाक धियान भोलपर गेल आ सोचए लगल। अन्तमे ई विचार केलनि जे भोलाकेँ होटलमे लगा देब सएह नीक रहत। घर अबिते दुखनीकेँ गप-सप्पक झाँसा दैत कहलखिन-

"भोलाकँ बजारमे नोकरी लगा दइछिऐ। घरमे खाइ-पिबैक दिक्कत भऽ रहल छै। बजारमे रहतै तँदूटा लूइरो-बुइध सिखतै, गाममे देखै छिऐ ने बौनाएल जाइए?"

दुखनी ऐ बातसँ राजी नै छेली मुदा मोहनकजिद्दक आगू हारए पड़लनि। अगिले दिनसँ भोला दुर्गा दासक होटलमे काम करए लगल। ऐ अबोध बेदराक वोनबाससँ एकटा आरोमेनाक मौलिक अधिकारसँ रोकि देल गेल। सोतेला माइक खिद्धांश तँ होइत अछि मुदा सोतला बापोक हेबक चाही जेकर हकदार मोहन भेलखिन। स्कूली शिक्षा तँ बाल-बोधक मौलिक अधिकार होइत अछि जे आम लोककेँ समझमे नै आबि रहल अछि। परिणाम स्वरूप, अखनो बाल-श्रम अपना देशमे चरमपर अछि। गरीब घरक नेना-भुटका सभसँ बलपूर्वक आकि जोर-जबरदस्ती भारी-भरकम काज जेना स्टोर उत्पादनमे जूताक पाॆलिश, दोकानमे साफ-सफाइ, भोजनक ढाबा आ होटलमे जबरन बरतन-बासनक माजैक काज,चाह दोकानपर गिलास धोइक अलाबे आनो अनोपचारिक क्षेत्रमे काज कराएल जाइत अछि। घरेलु काज करैले सेठ-साहुकार सभ काम-काजी बेदराकेँ घरमे नुका कऽ राखैए, जइसँ सरकारी श्रम निरीक्षक आकि मीडिआक नजरिसँ बँचि सकए। ई सभटा काज न्यूनतम मजदूरीपर बेदरा सभसँ कराएल जाइए, बुझितो जे ई कानूनी जुलुम अछि। एकरा अनुचित आ शोषित मानल जाइए तैयो बहुत गरीब परिवार अछि जे अपन अबोध बेदराक मजूरीक सहारे भरन-पोषन करैए।कानूनो बनल अछि जे अठारह बर्खसँ कम उमेरक बालक मजूरी नै कऽ सकैए। मुदा कानूनक अनदेखी कएल जाइए आ भोला सनक नअ बर्खक बेदरासँ सतरह-सँ-बीस घण्टा काज कराएल जाइत अछि।

दुर्गादासक होटलमे अनुमण्डल आ बेंकोक स्टाफ जेना हाकिम, किरानी, चपरासी आ आनो भी.आइ.पी सबहक चाह, नस्ता, कल्लौ बनैए। किछु महानुभावक डेरापर चाह,नस्ता, खेनाइ पठाएल जाइए। दुर्गा दास

सोभावसँ एक नमरक पोल्टिसबाज छथिन जहिसँ कामकाजी बेदरा सभसँ गप मरि काज करबै छथि। जरूरी पड़लापर डाँट-फटकार आ लप्पर-थप्परसँ सभकेँ सकपकेने रहै छथि। होटलमे छहसँ दस बर्खक आराे चारिटा बाल-मजदूर काज करैत छल। भिनसरबाक चारि बजैत धरि सभटाकेँ हुरपेट कऽ जगाएल जाइए आ बरतन-बासन, चुल्हा-चौकीक माँज-मजबैल, निपा-पोतीसँ झार-पोछक काजमे लगाएल जाइए। कोइ चाह लऽ डेरे-डेरा पहुँचाबैए तँ कोइ जलखै, खेनाइ बनाबैमे लगि जाइए।

कखनो-काल सभ बेदरामे कोनो-कोनो बातपर टोना-मानीसँ झगड़ा-झाँटी भऽ जाइत अछि, तइ घड़ीमे दुर्गाकेँ अपन सकत मियादि देखबऽ पड़ै छै, जारनि लऽ कऽ झँटियेबो करैए। खेनाइमे सभटाकेँ बसिया भात, टटाएल रोटी, महकौआ तीमन आ बँचल-खूचल तरकारी दैत बजै छथिन—

"रै छौड़ा सभ अते नीक चीज तँ तोहर बापो-ददा नै खेने हेतौ। खाइ जाइ जो मन लगा कऽ।"

दुर्गा दासक एकलौता बेटा- अमर- दरभंगामे पढ़ै अछि। जहिया कहियो ओ गाम अबैत अछि तँ जाइ घड़ीमे टीसनपर पहुँचबैक जिम्मा भोलेकेँ रहैत अछि। आइ अमर दरभंगा विदा भेल। दस-दस किलोक गहुम आ चाउरक मोटा भोलाक माथपर आ कन्हापर बैग लटकेने टीसन मुहेँ विदा भेल जे करीब कोस भरि हटि कऽ अछि। रस्तामे भारीसँ भोलक कन्हा-पजरा ऐंठने जाइत रहै मुदा गाड़ी छुटैक डरे केतौ जिराइओ नै सकल। टीसन पहुँचिते रेलगाड़ी ससरऽ लगलै। अमर लपैक कऽ पौदान पकड़ि चढ़ल। भोला नीचासँ सभटा मोटा-चोटा आ बैग जेना-तेना अमरकेँ पकड़ा आ अपन भाड़ उतारलक। भोलाक माथक बोझ उतरिते मन हल्लुक हुअ लगलै, मुदा घुरन्ती-डेग नै उठि रहल छै भोलाकेँ। मन भेलै किछुकाल जिरा ली। कन्हा आ गरदनि सेहो ऐंठने जाइत रहै। गाछक चबुतरापर धम्म दऽ बैस कऽ हाँफए लगल। किछुकाल बैसला पछाति आलस आबि गेलै आ ओतइ ओंघरा कऽ सुति रहल। साइत एते निचेनक नीन कहियो नै सुतल छल। ओ नीनक महासागरमे हेला मारऽ लगल। चारि घण्टाक कड़गर नीन खींचला पछाति जखनि गाछक छाहरि घुसकि कऽ दूर हटि गेल आ देहपर दुपहरियाक रौद लागए लगलै तखनि जा कऽ आँखि खुजलै। भूखो जोरसँ लगि गेल रहै आँखि मिरैत होटल दिस विदा भेल।

ओमहर दुर्गा दास तामससँ आगि अंगोरा होइ छला। भोलाकेँ देखिते मातर तरबामे लहरि दिअ लगल, गारि-बात दैत घौलाइत हूरकैत भोलाकेँ कहलखिन-

"रे सार! गेलही तँ मरि गेल रही? की बाप पकड़ि लेने छेलौ? भुख लगलौ तँ दौगल एलही। नमक हरामी कहीं कऽ! मुलुर-मुलुर केना तकैए सार!"

बगलसँ करमीलक छड़ी उठा आ भोलाक पीठपर सटाक-सटाक खिंचए लगलखिन। भोला ओतै तिलमिलाइत लूद सिन बैसि रहल आ बाप-माए चिचियाए लगल-

"गै माएऽऽ... हौ बापऽऽ...मरि गेलियौ गैऽऽ... माए गै माएऽऽ..."

खिसियाले मुहेँ दुर्गा दास फेरि बजला-

"सार तूँ हमरा होटलमे टपि नै सकै छेँ। जो जइ बाप लग जेमे। देखै छियौ तोरा के रखै छौ आ के खेनाइ दइ छौ।"

घण्टा भरि भोला ओतै कनैत रहल। रहि-रहि कऽ दुर्गा दास हूरैक-हूरैक मारैले छुटैत रहथिन आ बजैत रहथिन-

"भगलेँ कि नै सरबा? एने की टक-टकी देने छीही? आब खालेँ? टपऽ तँ देबौ नै आ खेनाइ के देतौ? चलि जाइत रह जतए जेबाक छौ।"

भोलाकेँ बुझना गेल आब निश्तुकी नै रहए देता आ ने खेनाइए भेटत। उठि-पुठि कऽ काेसी प्रोजेक्टबला खरंजा पकड़ने एस.डी.ओ साहेबक अवास दिस विदा भऽ गेल। मन्हुआलए-सन्हुआलए आँखिक नोर पोछैत

भोला एस.डी.ओ.क अवासक आगूसँ जाइत छल तखने भीम बहादुरक नजरि भोलापर गेलनि। भीमबहादुर एस.डी.आे साहैबक भनसिया, जे दयालु प्रवृतिक नेपाली पहाड़ी जातिक छथि। बहादुर भोलकें जानिते रहथि पुछलखिन जे की भेलौ, किए कनै छीही, केतए जाइ छें? भोला हिचैक-हिचैक कऽ सभटा बात बतेलक-

"हमरा नै रखतै। मालिक कहलखिन भागि जो, नै रहए देबौ।"

भीमबहादुरक उमेर पचास-पचपनसँ कम नै हेतनि मुदा खुशमिजाज आ दयालु प्रवृतिक लोक छथि। भोलाकें केम्पसक भितर लऽ गेलखिन आ खाइले दूटा रोटी संग कनी तरकारी देलखिन जे बँचल छेलनि। भोला भोरुके खेलहा, भूखसँ लहालोट हरबे करए। मुदा ऐ रोटीक पैनठेगहेसँ देहमे हूबा एलै। किछुकाल धरि ओतए बैसल रहल। एस.डी.ओ पाठक जीकदुनू सन्तान नन्दन सात बर्खक आ नेहा चारि बर्खक अछि जे केम्पसमे बैट-बौल खेलाइत रहए। भोलो दौग-दौग कऽ संग दिअ लगल। साँझ होइत धरि पाठक जीक जीप केम्पसमे प्रवेश केलक संग लगल किछु गाम-घरक नेता लोकनिक हुजुम सोहो जुटए लगल। गप-सरक्काक बीच सभ नेतागण अपन-अपन काज करा विदा होइत गेला। बीच-बीचमे पाठक जीक नजरि तीनु नेनापर सेहो जाइत रहनि जे प्रसन्नचित मुद्रामे खेलैमे मग्न अछि। भोला एस.डी.ओ साहैबक कार्यालयमे चाह पहुँचबैले जाइत रहनि तँए चिन्हतो रहथिन। मुदा भोलाकें एतए देख पाठकजी दुविधामे छला। पाठकजी बहादुरसँ पुछलखिन-

"बहादुर, ई लड़का तँ दुर्गादास-होटलक लगैए, ई एतए केना आएल?"

भीमबहादुर सभटा बातक जानकरी दैत आग्रह केलखिन-

"साहैब, धिया-पुता जाइत छिऐ, भगा देने छै, राति-विराति केतए जेतै आइ भरि एतै रहे दैतिऐ तँ नीक होइतै।"

पाठकोजी नेक विचारक लोक, हँ भरैत कहलखिन-

"रहऽ दहक की हेतै? धिये-पुता तँ िछऐ।"

बहादुर गरीबीक दिन देखने। तँए मनमे गरीब लाेकक प्रति दजा आ सहानुभूति भरल छन्हि।

बहादुरमे दूटा नीक गुण अछि, पहिल ई जे जब केतौ भूखलकें देखै तँ खेनाइक आग्रह जरूर करैत, दोसर ई जे दोसरक बाल-बोधकें अपना जकाँ सिनेह दैत छथिन। एस.डी.ओ- पाठकोजी-तहिना मिलनसार आ दयालु प्रवृतिक लोक छथिन, तँए दुनू गोटेमे नीक जकाँ बनै छन्हि। भिनसर भने बहादुरक दैनिक काजमे भोला संग दिअ लगल। दस बजैत पाठकजी ऑफिस विदा भेला। बहादुर अपने संगे भोलोकें जलखै करबैत गपसप्पमे पुछलखिन-

"होटल धुमि कऽ जेमे की गाम?

भोला सकपका गेल, किछु नै बाजल,मुदा बहादुर ऐ चुप्पीकें बुझै खातिर फेर पुछलखिन-

"होटल जेबाक मन नै होइ छौ?"

भोला मुँह लटकेने बाजल-

"नै जेबै, दुर्गा मालिक बड़ मारै छै। खेनाइओ भरि पेट नै दइ छै आ भगाइओ देलक, कहलक आब तोरा नै रखबौ।"

बहादुर-

"तूँ अपना बापकें किए नै कहै छी?"

भोला-

"हमर बाबा एक बरखसँ दूध लऽ कऽ नै अबै छथिन। दुर्गा मालिक कहलखिन, बाबू सबटा भैंस बेचि लेलकौ।"

बहादुर-

"माइओ भेँट-घाँट करैले नै अबै छौ?"

भोला-

"भेँट नै केलकै। एकबेर खजुरी कका दिअए समाद पठेने रहै भेँट करि जाइले। मुदा दुर्गा मालिक नै जाए देलखिन आ हमरा गाम देखलो नै छै।"

एकबेर फेरि बहादुरकेँ भोलापर दया लगलनि, जे कि मनुखक मूल सोभावो छी। ओना तँ सभ धर्मक पोथीमे बताएल गेल अछि, जे लोकनि कनैत-कल्पैत नेना-भुटका, भूखल, बेमार आ बूढ़-पुरानपर दया-दरेज नै करि सकैए, ओकर ई मनुखक जीनगी बेकार होइत अछि। मनुखक पुनरावृतिक लक्षण अछि, जनम भेनाइ, खेनाइ-पिनाइ, पलनाइ-बढ़नाइ, बिआह-दानसँ बंशबृद्धि करैत परिवारकेँ आगू बरहेनाइ आ फेर मरि जेनाइ। ई जीवन तँ पशु आ पक्षीओ जीबैए। तखनि मनुख आ जानवरमे की फरक रहत? दया मनुखक सभ गुणमे श्रेष्ठ अछि जे मनुखमे रहबाक चाही।

भीमबहादुरक मनमे विचार उठल, साहेबसँ गप करि भोलाकेँ अहीठामक काजमे रखि लेब तँ एकटा बेदराक उपकार भऽ जाइत! साँझ पड़ैत पाठकजी एलखिन। काजसँ फूर्सत भेला पछाति बहादुर पाठकजीसँ बिनती करैत भोलाक खातिर गप कहलखिन जेकरा पाठकजी स्वीकार केलकिन।

भोला घरक काजमे संग-साथ दिअ लगल। मौका भेटलापर नन्दन-नेहा संगे पढ़ैओले बैसि जाइत रहए। कनी दिन बीतला पछाति बहादुर भोलाक माए-बाबूकेँ समाद पठेलखिन, भेँट करैले।

डेढ सालसँ दुखनी बेटाक सोगमे चिन्तीत छेली। मुदा ई खबरि जे भोला एस.डी.ओ साहेबक घरमे काज करैत अछि, सुनि सुप सन कलेजा भेलै। अगिले दिन दुखनी दौगल एली। दू बरिखक पर भोलाकेँ देखिते दुखनीकेँ खुशीक ठेकाना नै रहलै। गप-सपसँ पता लागल जे भोलाक सतबाप, मोहनाभैंसपर सँ खसि पड़ल आ डाँर टुटि गेल। पछाति सभटा भैंसकेँ बेचए पड़लै। तहियासँ आइ तक मोहना बेमारे रहै छथि, कोनो काज-राज हिनकासँ नै भऽ रहल छन्हि।

भेँट-घाँट भेला पछाति दुखनी गाम दिस विदा हुअ लगल मुदा एस.डी.ओ साहेबसँ भेँट करैत निहोरा केली-

"हूजूर, आइसँ अहीं ऐ निभोगाक माइ-बाप छिऐ। अहींक नून खा कऽ एकर भाग चमकतै।"

पाठकजी भरोस दैत कहलखिन-

"भोलासँ अहाँ निफिकिर रहू। खर्चा-पानीक दिक्कत हएत तँ हमरा खबरि करब।"

पाठकजी भोलाक हाथे पाँच सए टका आ एक सेट कपड़ादुखनीकेँ विदागरीमे देलखिन। दुखनी हँसी-खुशीसँ गाम दिस विदा भऽ गेली।

सम्पर्क-
ललमनियाँ, मरौना, सुपौल।
गोल इंग्लिश गार्डेन निर्मली।

डॉ. उमा शंकर चौधरी -दू आखर

कने अहूँ सुनू
कने हमहूँ सुनी
कने अहूँ बुझू
कने हमहूँ बुझी... ।

ई छी मिथिलाक मान
अछि मिथिला महान्... ।

जेकर दू फाँड़ भऽ गेल छल जान
भाषाक संग टुटि रहल छल एकर पहचान
किन्तु ईहो बुझू जे ओ केहेन होएतस्थान
जेतए आवागमनसँ मिथिलाक हृदए जुड़ल
भाषाक केर बँचल प्राण ।
ओ थिक स्थान, ओ थिक संस्थान,
ओ थिक महान्, उद्घोषणाक स्थान,
महाविद्यालयक कान, आब बुझू जे
ई कोन अछि संस्थान, जे देशमे
सेहो बनेलक अपन उचित स्थान ।

डॉ. उमा शंकर चौधरी
एसोसिएट प्रोफेसर, भौतिकी विभाग
हरि प्रसाद साह महाविद्यालय, निर्मली (सुपौल)
मो. ९४३०५८४०६३

ऐ रचनापर अपन मंतव्य ggajendra@videha.com पर पठाउ ।

विदेह

मैथिली साहित्य आन्दोलन

रचनाकार अपन मौलिक आ अप्रकाशित रचना (जकर मौलिकताक संपूर्ण उत्तरदायित्व लेखक गणक मध्य छन्हि) ggajendra@videha.comकेँ मेल अटैचमेण्टक रूपमेँ .doc, .docx, .rtf वा .txtफॉर्मेटमे पठा सकै छथि। रचनाक संग रचनाकार अपन संक्षिप्त परिचय आ अपन स्कैन कएल गेल फोटो पठेता, से आशा करै छी। रचनाक अंतमे टाइप रहए, जे ई रचना मौलिक अछि, आ पहिल प्रकाशनक हेतु विदेह (पाक्षिक) ई पत्रिकाकेँ देल जा रहल अछि। एतऽ प्रकाशित रचना सभक कॉपीराइट लेखक/ संग्रहकर्त्ता लोकनिक लगमे रहतन्हि, मात्र एकर प्रथम प्रकाशनक/ प्रिंट-वेब आर्काइवक/ आर्काइवक अनुवादक आ आर्काइवक ई-प्रकाशन/ प्रिंट-प्रकाशनक अधिकार ऐ ई-पत्रिकाकेँ छै। ऐ ई पत्रिकाकेँ श्रीमति लक्ष्मी ठाकुर द्वारा मासक ०१ आ १५ तिथिकेँ ई प्रकाशित कएल जाइत अछि।

 ५ जुलाई २००४ केँ http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html "भालसरिक गाछ"- मैथिली जालवृत्तसँ प्रारम्भ इंटरनेटपर मैथिलीक प्रथम उपस्थितिक यात्रा विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका धरि पहुँचल अछि,जे http://www.videha.co.in/ पर ई प्रकाशित होइत अछि। आब "भालसरिक गाछ" जालवृत्त 'विदेह' ई-पत्रिकाक प्रवक्ताक संग मैथिली भाषाक जालवृत्तक एग्रीगेटरक रूपमे प्रयुक्त भऽ रहल अछि। विदेह ई-पत्रिका ISSN 2229-547X VIDEHA




सिद्धिरस्तु